• जयपुर, बुधवार 10 जून 26 • वर्ष 15 • अंक 222 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

न्यूज अपडेट

ममता बनर्जी को बड़ा झटका, 20 बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को सौंपा पत्र, एनडीए में जाने की तैयारी

नई दिल्ली/एजेंसी। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस इस समय अपने सबसे बड़े राजनीतिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के कद्दावर नेता और राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने सोमवार को अचानक पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा देकर सियासी गलियारों में भूकंप ला दिया है। सुखेंदु शेखर रॉय पिछले एक दशक से अधिक समय से संसद में टीएमसी का मुख्य चेहरा रहे हैं, इसलिए उनका यह कदम ममता बनर्जी के लिए एक बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है। उनके इस्तीफे के तुरंत बाद एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें टीएमसी के पांच अन्य सांसद शर्मिला सरकार (बर्धमान पूर्व), प्रसून बनर्जी (हावड़ा), जगदीश बसुनिया (कूचबिहार), कालिपद सोरेन (झारग्राम) और अरूप चक्रवर्ती (बांकुरा) उनके साथ खड़े नजर आ रहे हैं, जिससे साफ है कि बगावत की स्क्रिप्ट काफी पहले से लिखी जा रही थी।

रेलवे टेंडर घोटाला मामले में लालू यादव समेत दूसरे आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला फिर टला

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने रेलवे टेंडर घोटाला के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला फिर टाल दिया है. इसके पहले भी कोर्ट ने 22 मई और 6 मई को भी मामले में फैसला टाल दिया था. स्पेशल जज विशाल गोगने ने अब 16 जुलाई को फैसला सुनाने का आदेश दिया है. कोर्ट ने इससे पहले 13 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था. दरअसल 28 जनवरी, 2019 को कोर्ट ने ईडी की ओर से दर्ज केस में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को भी नियमित जमानत दी थी. कोर्ट ने उन्हें एक-एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दी थी. वहीं 19 जनवरी, 2019 को कोर्ट ने सीबीआई की ओर से दर्ज केस में लालू यादव को नियमित जमानत दी थी. कोर्ट ने 13 अक्टूबर, 2025 को रेलवे टेंडर घोटाले के सीबीआई से जुड़े मामले में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत दूसरे आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था. कोर्ट ने 17 सितंबर, 2018 को ईडी की ओर से दायर चार्जशीट पर संज्ञान लिया था. इस मामले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी समेत 16 लोगों को आरोपी बनाया गया है. ईडी ने जिन्हें आरोपी बनाया है उनमें लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, मेसर्स लारा प्रोजेक्ट एलएलपी, सरला गुप्ता, प्रेमचंद गुप्ता, गौरव गुप्ता, नाथ मल ककरानिया, राहुल यादव, विजय त्रिपाठी, देवकी नंदन तुलस्यान, मेसर्स सुजाता होटल, विनय कोचर, विजय कोचर, राजीव कुमार रेलान और मेसर्स अभिषेक फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड शामिल हैं.

आज इतिहास रचेंगे मोदी: नेहरू को पीछे छोड़ सबसे लंबे समय तक रहने वाले प्रधानमंत्री बनेंगे

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास में 10 जून 2026 का दिन इतिहास में दर्ज हो जाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 जून भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित रहने वाले लोकतांत्रिक प्रधानमंत्री बन जाएंगे. देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का करीब छह दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़ देंगे.

10 जून 2026 को पीएम मोदी ने लगातार प्रधानमंत्री के पद पर 4,399 दिन पूरे कर लेंगे. जबकि जवाहरलाल नेहरू का लगातार कार्यकाल 4,398 दिनों का था. भारत के प्रधानमंत्रियों के इतिहास और उनके योगदान को संजोने वाले प्रधानमंत्री संग्रहालय के रिकॉर्ड्स में यह एक बेहद ऐतिहासिक और अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब देश के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन चुके हैं. पीएम मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और तब से उनका यह सफर लगातार जारी है.

केवल केंद्र सरकार के स्तर पर ही नहीं, बल्कि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि और सरकार के मुखिया के रूप में भी नरेंद्र मोदी का रिकॉर्ड बेमिसाल है. गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के तौर पर उनका संयुक्त कार्यकाल 8,931 दिनों से अधिक का हो चुका है, जिससे वह भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले निर्वाचित शासक हैं.

वह भारत के इकलौते ऐसे नेता हैं जिनके नेतृत्व में लगातार 6 बड़े चुनाव जीते हैं. तीन बार गुजरात विधानसभा (2002, 2007, 2012) और तीन बार लोकसभा चुनाव (2014, 2019, 2024) में बीजेपी ने जीत दर्ज की.

केन्द्रीय गृह अमित शाह ने नई दिल्ली में लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (विनिमय) का उद्घाटन किया

● देश में 15 लैंड पोर्ट संचालित, अगले 3 वर्षों में 11 और लैंड पोर्ट विकसित करने की योजना

नईदिल्ली/एजेंसी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (विनिमय) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, सीमा प्रबंधन सचिव और लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में लैंड पोर्ट अथॉरिटी को नई दिशा मिली। सुरक्षा-केंद्रित सोच से आगे बढ×कर लैंड पोर्ट को सुरक्षा के पहले कवच, व्यापार सुगमता के माध्यम और लोगों के बीच संपर्क सेतु के रूप में विकसित किया गया। साथ ही, सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास, वैध व्यापार को बढ़ावा देने और सीमांत गांवों और जिलों में पलायन जैसी चुनौतियों से निपटने में भी लैंड पोर्ट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दोनों ओर के देशों की जनता के बीच सरल आवागमन के कारण परस्पर विश्वास बढ़ा है और संस्कृति का आदान-प्रदान भी बेहतर हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विशाल भू-सीमा वाले देश में सीमा प्रबंधन की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

अमित शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय स्मार्ट बॉर्डर की संकल्पना के साथ भारत की सीमाओं को सुरक्षित करने हेतु चतुष्कोणीय रणनीति पर कार्य कर रहा है। इस स्मार्ट बॉर्डर विजन में लैंड पोर्ट अथॉरिटी की महत्वपूर्ण भूमिका होने वाली है। उन्होंने कहा कि लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (एलपीएमएस) में सभी हितधारकों की आवश्यकताओं तथा सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। यह व्यवस्था स्मार्ट बॉर्डर की संकल्पना के साथ मिलकर एक अभेद्य और सुरक्षित बॉर्डर का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि एलपीएमएस और स्मार्ट बॉर्डर मिलकर अधिक सुरक्षित और आधुनिक सीमा तंत्र बनाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे अवैध गतिविधियों पर रोक और सुरक्षित व्यवस्था का निर्माण निश्चित है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लैंड पोर्ट अथॉरिटी ने अपने लैंड पोर्ट्स के लिए एक आधुनिक, डिजिटल, एकीकृत और रियल-टाइम प्रबंधन प्रणाली विकसित कर सभी को एक साथ जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से लैंड पोर्ट की मूल संकल्पना को लैंड पोर्ट अथॉरिटी ने पूरा कर दिया है। आगामी दिनों में हम लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम को देश की स्मार्ट सुरक्षा ग्रिड का एक महत्वपूर्ण अंग बनाएंगे।

सीतामढ़ी में आंधी के दौरान कच्चे मकान पर गिरा पीपल का पेड़, एक परिवार के पांच लोगों की मौत

पटना/एजेंसी। बिहार के सीतामढ़ी जिले में सोमवार देर रात तेज आंधी के दौरान बड़ा पीपल का पेड़ उखड़कर एक घर पर गिर गया। इस हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। यह घटना रीगा थाना क्षेत्र के रेवासी धनुशी टोला (वार्ड नंबर 1) में हुई। मृतकों की पहचान पूजा देवी (28), बेटी शिवानी (5) और तीन बेटों राजकुमार (7), वीरभद्र कुमार (2) और एक महीने के लायगर कुमार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, परिवार कच्चे मकान में सो रहा था, जो एक पुराने पीपल के पेड़ के पास बना हुआ था।

रात करीब 11:30 बजे तेज हवाएं और भारी बारिश शुरू हुई, जिससे पेड़ उखड़ गया और सीधे घर पर गिर पड़ा। इससे पूरा मकान ढह गया और सभी पांच लोग मलबे में दब गए। सभी की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर सदर एसडीपीओ, बीडीओ और रीगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों ने भी राहत और बचाव कार्य में मदद की और मलबा हटाया।

नीट री परीक्षा के प्रश्न पत्र अब अब एमआई -17 हेलीकॉप्टरों से पहुंचेंगे परीक्षा सेंटर्स, एयरफोर्स संभालेगी कमान

नई दिल्ली/एजेंसी।

नीट पेपर लीक विवाद के बाद अब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और शिक्षा मंत्रालय आगामी नीट री-एग्जाम को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। इस बार परीक्षा की सुरक्षा को अभेद्य किला बनाने के लिए भारतीय वायुसेना को मैदान में उतारा गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, 21 जून को होने वाली इस परीक्षा के गोपनीय प्रश्न पत्रों को देश के कोने- कोने में बने सेंटर्स तक पहुंचाने की जिम्मेदारी वायुसेना के कंधों पर है।

इस महाप्लान के तहत के रूद्ध-17 हेलीकॉप्टरों और अन्य विशेष सैन्य विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। बताया जा रहा है कि एयरफोर्स की मदद लेने का यह ऐतिहासिक फैसला हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया था, ताकि सुरक्षा व्यवस्था में परिंदा भी पर न मार सके।

आगामी परीक्षा को लेकर तैयारियों का खाका तैयार कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय वायुसेना देश के 18 अलग-अलग निर्धारित और बे-हद संवेदनशील स्थानों से प्रश्न पत्रों के सील्ड पैकेट्स को उठाएगी। इन पैकेट्स को सीधे मुख्य परीक्षा केंद्रों और डिस्ट्रीब्यूशन हब तक सुरक्षित डिलीवर

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक, पटना जिला कोर्ट से मिली राहत

पटना/एजेंसी। पटना से बड़ी खबर सामने आई है। चर्चित शिक्षक खान सर को राहत देते हुए पटना सिविल कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। खान सर के खिलाफ 2 जून को उनके कोचिंग संस्थान के बाहर कथित गोलीबारी की घटना को लेकर मामला दर्ज किया गया था। जानकारी के अनुसार, खान सर ने सोमवार को पटना सिविल कोर्ट में अग्रिम जमानत (एंटिसिपेटरी बेल) की याचिका दायर की थी। सुनवाई के बाद अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश दिया है। यह मामला एक वायरल वीडियो के आधार पर दर्ज किया गया था। 2 जून के बताए जा रहे इस वीडियो में खान सर के कोचिंग संस्थान के दो सुरक्षा गार्ड कथित रूप से फायरिंग करते नजर आए थे। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों सुरक्षा गार्डों को हिरासत में लिया और बाद में गिरफ्तार कर लिया। खान सर के खिलाफ पटना के कदमकुआं थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच जारी है।

जयपुर की पटाखा फैक्ट्री में लगी भीषण आग, बच्चे समेत 8 की मौत

जयपुर/एजेंसी।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में एक बच्चे समेत 8 लोगों की मौत हुई है। हादसा खोह नागरियान इलाके में स्थित फैक्ट्री में हुआ है। आग ने फैक्ट्री के कई हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें 6 से अधिक मजदूर बुरी तरह झुलस गए हैं। मौके पर अग्निशमन विभाग और पुलिस की टीम पहुंच गई है। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है।

खोह नागरियान थाना क्षेत्र के आयशा नगर तलाई क्षेत्र में यह पटाखा फैक्ट्री चल रही थी। इसके आसपास रिहायशी बस्ती बनी हुई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि फैक्ट्री को रिहायशी इलाके में चलने की अनुमति कैसे मिली। आग लगने के कारणों की भी जांच शुरू कर दी है। हालांकि, किसी प्रकार के धमाके की आवाज नहीं सुनी गई, जिससे पटाखों में विस्फोट होने की बात भी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फैक्ट्री में आग लगने के बाद झुलसे मजदूर बाहर निकल आए और काफी समय तक सड×कों पर ही तड़पते मिले। स्थानीय लोगों की सूचना पर एंबुलेंस और अग्निशमन विभाग की टीम ने घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल भिजवाया। फैक्ट्री के मालिक को लेकर अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घटना पर दुख जताते हुए लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में बड़ा हादसा, खौलते हुए स्टील की चपेट में आने से 8 मजदूरों की दर्दनाक मौत

विशाखापत्तनम/एजेंसी। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में एक बेहद दर्दनाक और भयानक हादसा सामने आया है। प्लांट में बड़ी मात्रा में पिघले हुए स्टील के रिसाव की वजह से आठ श्रमिकों की जान चली गई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस खौफनाक मंजर के बाद पूरे प्लांट परिसर में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। घायलों को तुरंत प्रभाव से अस्पताल पहुंचाया जा रहा है और बचाव कार्य लगातार जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, यह भीषण दुर्घटना प्लांट के एसएमएस-2 और एसटीसी-3 हीट फैसिलिटी में घटी। बताया जा रहा है कि काम के दौरान एक लैडल (पिघली धातु ले जाने वाला बड़ा बर्तन) में अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना भयंकर था कि उसमें मौजूद खौलता हुआ पिघला स्टील तेजी से बाहर फैल गया। वहां काम कर रहे कई श्रमिक खुद को बचा नहीं पाए और इस उबलते हुए स्टील की चपेट में आ गए, जिससे मौके पर ही भारी तबाही मच गई।

गृह मंत्री ने दिए बेहतर इलाज के निर्देश, घटनास्थल के लिए हुईं रवाना

इस बड़े हादसे की खबर मिलते ही राज्य प्रशासन में हड×कंप मच गया। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगलापुडी अनिता ने घटना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए विशाखापत्तनम के जिला कलेक्टर और पुलिस आयुक्त से फोन पर संपर्क किया और हालात की पूरी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी घायल श्रमिकों को जल्द से जल्द बेहतरीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। गृह मंत्री के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) के मुताबिक, बचाव और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देने के साथ ही गृह मंत्री खुद दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो चुकी हैं और पल-पल के अपडेट के लिए अधिकारियों के संपर्क में हैं।

अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा पर जा पलटी पिकअप, मां-बाप और बहन के सामने 2 भाइयों की मौत

मुरादाबाद/एजेंसी। जिले में रफ्तार का कहर देखने को मिला है. जहां तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा पर जा पलटी. घटना में 2 सगे भाइयों की जान चली गई. वहीं मा-पिता और बहन घायल हुए हैं. हादसे के बाद मौके पर हड×कंप मच गया. जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया. घटना की जांच की जा रही है.

बता दें कि घटना ढकिया चौकी क्षेत्र के खंजीपुरा गांव के पास उस वक्त घटी, जब एक परिवार ई-रिक्शा से अपने घर जा रहे थे. इसी दौरान वहां से गुजर रही पिकअप का एक्सल टूट गया और पिकअप अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा पर जा पलटी. हादसे में ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए. घटना में ई-रिक्शा सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसा होता देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी.

जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से सभी घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया. जहां डॉक्टरों ने जांच कर 2 सगे भाइयों को मृत घोषित कर दिया. मृतकों की पहचान नावेद और आबिद के रूप में हुई है. वहीं घटना में घायल माता-पिता और बहन का इलाज जारी है. पुलिस घटना की जांच कर शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है

संपादकीय

बदलते भारत का नया डिजिटल जादू

एक दौर था जब दुनिया के रईस और विकसित देश भारत को बहुत धीमी रफ़्तार से चलने वाला और पुरानी व्यवस्थाओं में उलझा हुआ समाज मानते थे। लेकिन आज की तस्वीर बिल्कुल जुदा है। आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। हमारी इस तरक्की की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह किसी बंद कमरे या बड़े कॉर्पोरेट दफ्तरों की जागीर नहीं है, बल्कि देश के हर कोने में, एक आम इंसान की जेब और उसकी उंगलियों पर साफ दिखाई देती है। इसका सबसे जिंदादिल उदाहरण है हमारा 'डिजिटल भुगतान' यानी यूपीआई मॉडल। आज देश में डिजिटल क्रांति का यह आलम है कि सुदूर गांव की एक छोटी सी चाय-सब्जी की दुकान पर भी आपको क्यूआर कोड का स्टिकर मुस्कुराता हुआ मिल जाएगा। जेब में बटुआ न हो, छुट्टे पैसों की चिकचिक न हो, फिर भी महज एक सेकंड में फोन निकालकर भुगतान हो जाता है। जो आलीशान तकनीक कभी सिर्फ अमीर मुल्कों या बड़े शहरों की बपौती मानी जाती थी, उसे आज हमारे देश के आम रेहड़ी-पटरी वालों ने इस सहजता से अपनाया है कि दुनिया के बड़े-बड़े मुल्क भी दांतों तले उंगली दबा रहे हैं। आज फ्रांस, दुबई और सिंगापुर जैसे देश भारत के इस 'मेड इन इंडिया' सिस्टम के कायल हो चुके हैं और इसे अपने यहाँ लागू कर रहे हैं। यह तब्दीली सिर्फ तकनीक की नहीं, बल्कि हिंदुस्तान के आम आदमी के बदलते मिजाज की गवाह है। जहाँ कभी बैंकों के चक्कर काटने में हफ़्तों ज़ाया हो जाते थे, आज देश का युवा, किसान और छोटा व्यापारी सीधे अपने मोबाइल से देश की मुख्य आर्थिक धारा से जुड़ चुका है। 'स्टार्टअप' का जादू अब सिर्फ मेट्रो शहरों तक महदूद नहीं रहा, बल्कि छोटे कस्बों के नौजवान अपनी नई सोच के दम पर दुनिया में भारत का डंका बजा रहे हैं। शानदार सड़कें, हाईवे, वंदे भारत जैसी ट्रेनें और हर हाथ में दौड़ता इंटरनेट... ये सब गवाह हैं कि भारत का कारवां अब रुकने वाला नहीं है। बेशक राह में अभी साइबर फ्रॉड जैसी कुछ सुरक्षात्मक चुनौतियां और मुश्किलें बाकी हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। लेकिन जिस बुलंद हौसले और आत्मविश्वास के साथ आज का भारत वैश्विक मंच पर कदम बढ़ा रहा है, उसने यह साफ कर दिया है कि आने वाला कल हमारा ही है। 'झलक' के माध्यम से आज हमें अपनी इस साख और तरक्की का जश्न मनाना चाहिए, क्योंकि यह बदलते भारत की वह सुनहरी दास्तान है, जिसे हमने और आपने मिलकर सच बनाया है।

स्कूली शिक्षा की जिम्मेदारी से दूर भागती सरकार

मई के प्रथम सप्ताह में भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति के तहत कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिये जिनकी विवेचना जरूरी है। सरकार ने तय किया है कि अब देश के 15 लाख सरकारी स्कूलों का संचालन एक समिति करेगी। जिसमें प्राचार्य शिक्षकों के अलावा 75 प्रतिशत सदस्य छात्रों के अभिभावक याने तीन चौथाई सदस्य अभिभावक होंगे। यह भी निर्णय किया कि 30 लाख रुपये तक के जो स्कूल-भवन में सार्वजनिक कार्य होंगे वह कार्य यह समिति ही करायेगी, किसी अनुमति की ऊपर से आवश्यकता नहीं होगी। तथा अब ये शिक्षण संस्थायें सीएसआर से याने कारपोरेट सोशल रिस्पान्सबिलिटी के तहत सार्वजनिक या निजी उद्योगों से मदद ले सकते हैं। ऊपरी तौर पर यह निर्णय सत्ता के विकेन्द्रीकरण का लगता है और शालाओं के संचालन की कुंजी की चाबी मुख्यत अभिभावकों की समिति को देते हैं। यह भी निर्णय हुआ है कि धन संबंधित चौक आदि पर प्राचार्य के साथ-साथ अभिभावक समिति के अध्यक्ष के भी हस्ताक्षर होंगे। निसंदेह यह निर्णय छात्रों के सबसे शुभचिंतक उनके अभिभावकों को अधिकार देते हैं। परंतु शिक्षा क्षेत्र की जो वास्तिविकतायें हैं उनके आधार पर भी सोचना होगा। क्योंकि सरकार का कार्य जमीन पर कम प्रचार पर अधिक चलता है।

रघु ठाकुर

जैसे कुछ दिनों पहले यह कहा गया था कि नई शिक्षा नीति में प्रति छात्र बजट में 130 प्रतिशत की वृद्धि की गई, याने लगभग सवा गुना परंतु सरकारी शिक्षण संस्थाओं में नई शिक्षा नीति के बाद कितने स्कूल बंद हुए और कितने छात्रों की संख्या घटी है इसका उल्लेख नहीं किया गया। जबकि तथ्य यह है कि देश में लगभग डेढ़ से दो लाख स्कूल बंद कर दिये और छात्रों की संख्या बहुत घट गई। राज्य सरकारों ने यह तर्क दिया है कि स्कूलों में छात्र नहीं थे या नगण्य थे इसलिये बंद कर दिये गये, तब इस पर भी विचार होना चाहिए कि स्कूलों में छात्र कम हुए तो इसमें किसकी जवाबदेही है। क्या यह तथ्य नहीं है कि देश के 1 लाख स्कूलों में अपर्याप्त शिक्षक, यहां तक की सैकड़ों हजारों स्कूलों में मात्र एक-एक शिक्षक से स्कूल चलता था और शिक्षक गाँव की जगह दूर शहर में रहते थे। इस प्रकार के हालातों के चलते लाचार होकर अभिभावकों को निजी शिक्षण, दुकानों में शरण लेनी पड़ी और जिनकी आर्थिक क्षमता अच्छी नहीं थी उनके बच्चे शिक्षा से वंचित हो गये। 2020 में नई शिक्षा नीति आने के बाद सत्ता के प्रचारकों ने यह लिखना शुरू कर दिया कि शिक्षा में बहुत विकास हो रहा और अब सरकार के समक्ष शिक्षा को अंतरराष्ट्रीयकरण की चुनौती है। अब यह भी लिखा जा रहा है कि नई शिक्षा नीति के आने के बाद पहले के मुकाबले इन स्कूलों में खेलों के मैदान की सुविधा हो गई जबकि यह पूर्णतरू झूठ है। नई शिक्षा नीति में यह प्रावधान किया गया कि खेल मैदानों व जिम आदि की साझेदारी की व्यवस्था हो सकती है। इसके परिणामस्वरूप जिन स्कूलों में खेल मैदान नहीं हैं उन्होंने दूसरे स्कूलों के साथ खेल मैदान की साझेदारी दिखा दी तथा सरकारी आंकड़ा संतुष्ट हो गया। सच्चाई यह है कि इस शेयरिंग के नाम पर सरकार ने सरकारी और निजी शिक्षण संस्थाओं को छात्रों की उस मौलिक जरूरत से वंचित कर दिया है याने खेल कूद जो उनके मानसिक और शारीरिक विकास के लिये आवश्यक है। यही स्थिति पुस्तकालयों की है।

मैं कितने ही स्कूलों को देख रहा हूँ कि बच्चों को खेलने की 1 फुट जमीन नहीं है और स्कूलों को इस शेयरिंग के नाम पर सरकार की अनुमति प्राप्त है, तथा यह मनमाना पैसा लूट रहे है। शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण की चुनौती नहीं है बल्कि चुनौती शिक्षा के स्वदेशीकरण की है। भारत सरकार ने बाकायदा घोषित कर 100 विदेशी विश्वविद्यालयों को देश में आने की अनुमति दी है। पूर्व से ही विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अब सरकारी विवि और निजी विवि लगभग बराबर ही है। या हो सकता है कि निजी विवि कुछ ज्यादा हो।

आज देश में लाखों सरकारी स्कूलों के शाला भवन संख्या में अपर्याप्त है और जो हैं उनमें आवश्यक सुविधायें नहीं हैं। हजारों तो खंडहर में बदल गये। पिछले साल बरसात में मप्र के सागर जिले के शाहपुर कस्बे में एक क्षतिग्रस्त शाला भवन की दीवार गिरने से कई छात्रों की मौत हो गई और सरकार ने अपनी कार्यवाही बताने के लिये आदेश जारी कर दिया कि जो क्षतिग्रस्त शाला भवन हैं उन्हें गिरा दिया जाये। परंतु यह नहीं सोचा कि अब इन शालाओं के विद्यार्थी कहां जायेंगे। और ये शाला भवन कब बनेंगे। मप्र के सागर जिले के सानौधा गांव में मैं पिछले साल दौरे पर गया था, सानौधा गांव सागर जिले का एक बहुत बड़ा गांव है और उस गांव की शाला में आसपास के कई गांव के विद्यार्थियों जिनकी संख्या लगभग 3000 थी पढ़ते थे। वह शाला भवन तो टूट गया, नया बना नहीं, सरकार ने धन राशि दी नहीं और अब बच्चे खुले मैदान में पढ़ रहे हैं। यह तो मैंने एक घटना उद्धृत की है, न जाने इस प्रकार के कितने स्कूल मप्र व देश में होंगे। मप्र में सरकारी स्कूलों में 52 हजार शिक्षक के पद खाली हैं। प्राथमिक शिक्षा के स्कूलों में 47 हजार शिक्षक के पद खाली हैं और 7 हजार स्कूल ऐसे हैं जिसमें केवल एक शिक्षक है। ऐसी स्थिति अन्य राज्यों की भी है। बिहार में 2.75 लाख, झारखंड में लगभग 1 लाख, प.बंगाल में 77000, शिक्षकों के पद खाली हैं। मप्र के जिन 7 हजार स्कूलों में मात्र एक शिक्षक है, उनमें 2 लाख से अधिक छात्र पढ़ते हैं, कल्पना कीजिये कि इन बच्चों की पढ़ाई कैसे होती होगी? मजेदार बात यह है कि, 463 ऐसे भी स्कूल हैं जिनमें एक भी छात्र नहीं पढ़ता है, परंतु सरकार के अनुसार इनमें 223 शिक्षक पदस्थ हैं। याने बगैर किसी पढ़ाई के शिक्षक वेतन ले रहे हैं। यह स्थिति अकेले मप्र की नहीं है बल्कि लगभग देश के उत्तर भारत के अधिकांश हिस्से की है। अब यह समितियां बन जायेंगी जिनमें 75 प्रतिशत अभिभावक समिति में सदस्य होंगे परंतु जब स्कूल के भवन के लिये सरकार ने बजट ही नहीं दिया तब यह स्कूल कैसे बनेंगे? कहां से 30 लाख रुपये खर्च करेंगे, (जब पैसा ही नहीं होगा) कुल मिलाकर सरकार को एक बहाना अवश्य मिल जायेगा कि अब जवाबदार हम नहीं हैं बल्कि यह समितियां हैं। 31 मई के अखबारों में खरगोन जिले की खबर छपी है जहां अनेक स्कूलों के भवन जर्जर हैं या गिर गये हैं। नये भवन बनाने का सरकार ने जो पैसे की घोषणा की वह नहीं पहुंचा, जबकि जून माह शुरू हो रहा है याने बारिश सिर पर है, क्या ये भवन बन सकेंगे? इनमें प्रवेश लेने वाले छात्र वहाँ पढ़ेंगे? यही स्थिति शिक्षकों के बारे में होगी। क्योंकि शिक्षकों की नियुक्ति और वेतन आदि सरकार देती है परंतु अब सरकार कहेगी कि स्कूलों में बगैर शिक्षक या शिक्षकों की कमी या अन्य कारणों से जो गिरावट होगी उसकी जवाबदारी हमारी नही है बल्कि इन समितियों की जवाबदारी है। याने अपराधी सरकार बच जायेगी तथा निर्दोष प्राचार्य व समितियों के सदस्य गुनाहगार बन जायेंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट में बताया गया है कि प्राथमिक शिक्षा में ड्राप आउट बहुत घट चुका है लगभग शून्य के बराबर है। क्या कभी सरकार ने इसके बारे में सोचा कि ऐसा क्यों है? जो थोड़े भी समर्थ हैं, वे अपने बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के लिये निजी शिक्षण संस्थाओं में भेज रहे जो समर्थ नहीं हैं, वे लाचार लोग सरकारी स्कूलों में भर्ती कर तथा उनके सामने छोड़कर जाने के अलावा उनके सामने कोई भी रास्ता नहीं है। अगर छोड़कर जाये तो कहां जाएं क्योंकि आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर है कि वे न बाहर भेज सकते हैं, न निजी शिक्षण संस्थाओं में भेज सकते हैं। यही कारण है कि हाई स्कूल की शिक्षा में पहुंचते पहुंचते 55 प्रतिशत छात्र ड्राप आउट हो रहे हैं। जो शिक्षकों की शिक्षा का स्तर है उसे तो क्या कहा जाये। मप्र में नीति आयोग के अनुसार जो शिक्षकों की परीक्षायें हुई उसमें अधिकांश शिक्षक स्वत अपने विषय में 60 प्रतिशत अंक नहीं पा सके। क्या शिक्षा के इन हालात के चलते शिक्षा का कोई वास्तविक विकास हो सकेगा? मुझे लगता है कि भारत सरकार ने विकेन्द्रीकरण के नाम पर अपना बचाव भर कर लिया है। अब प्राथमिक व स्कूली शिक्षा की हर त्रुटि की जिम्मेदारी शिक्षक-अभिभावक कमेटी की होगी। अभिभावक-शिक्षक कमेटी गांव में गाली खायेंगे और सरकार दिल्ली में बैठकर अपनी पीठ थपथपायेगी। बड़े बड़े विज्ञापन छपवायेगी। शायद ऐसे दिन आने वाले हैं कि अब शिक्षा व शिक्षक का विकास सरकारी और निजी शिक्षण संस्थाओं के मालिकों के विज्ञापन में मिलेगा परंतु जमीन पर सूखा मैदान होगा।

अध्यात्म

सच्ची सेवा - भावना!

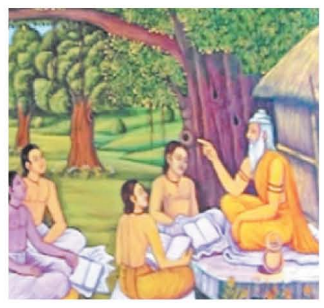

एक संत ने एक विश्व-विद्यालय आरंभ किया।इस विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य था ऐसे संस्कारी युवक-युवतियों का निर्माण जो समाज के विकास में सहभागी बन सकें।

एक दिन उन्होंने अपने विद्यालय में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसका विषय था - 'जीवों पर दया एवं प्राणिमात्र की सेवा। '

निर्धारित तिथि को तयशुदा वक्त पर विद्यालयके कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रतियोगिता आरंभ हुई।किसी छात्र ने सेवा के लिए संसाधनों की महत्तापर बल देते हुए कहा कि हम दूसरों की तभीसेवा कर सकते हैं जब हमारे पास उसके लिएपर्याप्त संसाधन हों। वहीं कुछ छात्रों की यह भीराय थी कि सेवा के लिए संसाधन नहीं, भावनाका होना जरूरी है।

इस तरह तमाम प्रतिभागियों ने सेवा के विषयमें शानदार भाषण दिए। आखिर में जबपुरस्कार देने का समय आया तो संत ने एकऐसे विद्यार्थी को चुना, जो मंच पर बोलने केलिए ही नहीं आया था।

यह देखकर अन्य विद्यार्थियों और कुछ शैक्षिकसदस्यों में रोष के स्वर उठने लगे। संत ने सबको शांत कराते हुए बोले, 'प्यारे मित्रो ववविद्यार्थियो, आप सबको शिकायत है कि मैंनेऐसे विद्यार्थी को क्यों चुना, जो प्रतियोगिता मेंसम्मिलित ही नहीं हुआ था। दरअसल, मैंजानना चाहता था कि हमारे विद्यार्थियों में कौनसेवाभाव को सबसे बेहतर ढंग से समझता है।

इसीलिए मैंने प्रतियोगिता स्थल के द्वार पर एकघायल बिल्ली को रख दिया था। आप सब उसीद्वार से अंदर आए, पर किसी ने भी उस बिल्लीकी ओर आंख उठाकर नहीं देखा। यह अकेलाप्रतिभागी था, जिसने वहां रुक कर उसकाउपचार किया और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़आया। सेवा-सहायता डिबेट का विषय नहीं, जीवन जीने की कला है।

जो अपने आचरण से शिक्षा देने का साहस नरखता हो, उसके वक्तव्य कितने भी प्रभावी क्योंन हों, वह पुरस्कार पाने के योग्य नहीं है।

गंभीर प्रदूषण की चपेट में हैं सभी महासागर

प्लास्टिक प्रदूषण के अलावा जलवायु परिवर्तन भी महासागरों के लिए खतरा बन चुका है। महासागरों का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण तूफानों की तीव्रता और संख्या में वृद्धि हो रही है। अरब सागर, जो पहले अपेक्षाकृत ठंडा क्षेत्र माना जाता था, अब गर्म हो चुका है। इससे मानसून के पूर्व सत्र में लगातार पांच वर्षों तक चक्रवातों की संख्या में तेजी आई है। आईपीसीसी की जलवायु वैज्ञानिक डॉ. रोक्सी कौल के अनुसार, यह स्थिति जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं और इससे समुद्री पारिस्थितिकी और मानव जीवन दोनों को खतरा है। बहरहाल, वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों की राय में समुद्रों की निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक कठोर उपाय अपनाने होंगे। प्लास्टिक उत्पादन, खपत और निपटान को नियंत्रित करने के लिए ठोस नीति और जन-जागरूकता अभियान चलाना बेहद जरूरी हो गया है।

योगेश कुमार गोयल

पृथ्वी पर मुख्यतः पांच प्रमुख महासागर हैं, प्रशांत महासागर, हिन्द महासागर, अटलांटिक महासागर, उत्तरी ध्रुव महासागर और दक्षिणी ध्रुव महासागर। ये सभी महासागर न केवल धरती के पारिस्थितिक संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं बल्कि मानव जीवन के लिए अनेक प्रकार की सेवाएं भी प्रदान करते हैं लेकिन दुर्भाग्यवश आज ये सभी महासागर गंभीर प्रदूषण की चपेट में आ चुके हैं। हर साल 8 जून को 'विश्व महासागर दिवस' मनाया जाता है, जिससे मानव जीवन में समुद्रों की अहमियत, महासागरों की साफ-सफाई और उनकी सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता फैलाई जा सके लेकिन जिस रफ्तार से समुद्रों में प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे यह दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन बनकर रह गया है। 'विश्व महासागर दिवस' की वर्ष 2026 की थीम है 'पुनर्कल्पना- हमारी जानी-पहचानी दुनिया से परे, हमारे महासागर के साथ एक नया रिश्ता', जो हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करती है कि महासागर केवल जलराशि नहीं बल्कि पृथ्वी के जीवन, जलवायु और जैव विविधता के आधार हैं।

दुनियाभर के महासागर बढ़ते मानवीय क्रियाकलापों के कारण बुरी तरह प्रदूषित हो रहे हैं। पर्यावरण वैज्ञानिकों के अनुसार, औसतन हर मिनट एक ट्रक प्लास्टिक कचरा समुद्रों में फैंका जा रहा है। इसके अलावा, भारी मात्रा में सीवेज, औद्योगिक रसायन और जहरीले तत्व भी समुद्रों में पहुंच रहे हैं। अरबों टन प्लास्टिक कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है, जो न तो आसानी से विघटित होता है और न ही पूरी तरह समाप्त होता है। यह वर्षों तक समुद्र में पड़ा रहकर समुद्री जीवन और पारिस्थितिकी को बुरी तरह प्रभावित करता है। समुद्रों में समाते इन प्लास्टिक कणों और रासायनिक तत्वों का समुद्री वनस्पतियों और जीव-जंतुओं पर बेहद घातक असर पड़ता है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के मुताबिक, महासागरों का तापमान बढ़ रहा है, जल का पीएच मान घट रहा है, पोषक तत्वों की आपूर्ति प्रभावित हो रही है और ऑक्सीजन की कमी भी स्पष्ट रूप से दर्ज की जा रही है। इन सभी प्रभावों का सीधा असर समुद्री पारिस्थितिकी पर पड़ता है। भारतीय उपमहाद्वीप से भी हर वर्ष करोड़ों टन भारी धातुएं और लवणीय तत्व हिन्द महासागर में प्रवाहित हो जाते हैं। समुद्रों में सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक कचरे से है, जिसे समुद्री जीव भोजन समझकर निगल जाते हैं। कई बार व्हेल, समुद्री कछुए और डॉल्फिन जैसे जीव मछली पकड़ने वाले जाल या अन्य प्लास्टिक अपशिष्ट को खा लेते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि प्लास्टिक में मौजूद विषैले रसायन समुद्री जीवों के शरीर में चले जाते हैं। इन मछलियों और समुद्री जीवों को दुनिया भर में लगभग 3 अरब लोग भोजन के रूप में उपयोग करते हैं। इस प्रकार यह प्रदूषण मानव स्वास्थ्य को भी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है। नार्वे के पास

वैज्ञानिकों को 'किलर व्हेल' के चर्बी ऊतकों में पीसीबी जैसे विषैले रसायनों के उच्च स्तर मिले हैं, जो कई देशों में दशकों पहले ही प्रतिबंधित किए जा चुके हैं। साथ ही 'पीएफएएस' नामक रसायन भी इन जीवों में पाए गए हैं, जो हार्मोन संतुलन, प्रजनन क्षमता और जीवनचक्र पर बुरा असर डालते हैं। वैज्ञानिकों ने व्हेल्स के शरीर में 'ब्रॉमिनेटेड फ्लेम रिटार्डेंट्स' भी खोजे हैं, जो पीढ़ियों में ट्रांसफर होकर अगली पीढ़ी तक जहरीले असर छोड़ते हैं। स्पेनिश नेशनल रिसर्च काउंसिल द्वारा किए गए एक शोध में समुद्री कछुओं के पेट और मांसपेशियों में प्लास्टिक यौगिकों के उच्च स्तर पाए गए हैं। पूर्वी स्पेन के कैटलन तट पर और बेलिएरिक द्वीपों में मृत पाए गए 'लॉगरहेड' प्रजाति के 44 समुद्री कछुओं के विश्लेषण में यह तथ्य सामने आए। इनके शरीर में मौजूद यौगिक हार्मोन सिस्टम, न्यूरोलॉजिकल और कैंसरजनक गतिविधियों को प्रभावित करते हैं।

महासागरों में प्लास्टिक पहुंचने का सबसे बड़ा जरिया नदियां हैं। हर साल लाखों टन प्लास्टिक कचरा नदियों के जरिए समुद्रों तक पहुंचता है। 'प्लास्टिक वेस्ट मेकर्स इंडेक्स' रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2019 में पूरी दुनिया में 130 मिलियन मीट्रिक टन एकल उपयोग वाला प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ। इसमें से केवल 35 प्रतिशत को ही जलाया गया, 31 प्रतिशत को जमीन में दबाया गया और 19 प्रतिशत को खुले में या समुद्रों में फैंक दिया गया। 'साइंस एडवांसेज' जर्नल में प्रकाशित 'ओशियन क्लीनअप' संगठन के अनुसार समुद्रों में प्लास्टिक प्रदूषण फैलाने वाली नदियों की संख्या हजारों में है लेकिन केवल एक हजार नदियां ही 80 प्रतिशत प्लास्टिक कचरे के लिए जिम्मेदार मानी जाती हैं। इन नदियों में से अधिकांश छोटी और मध्यम आकार की ही हैं, न कि केवल विशाल नदियां, जैसा पहले माना जाता था। फिलीपींस, चीन, भारत और मलेशिया जैसी देशों की नदियां समुद्रों में प्लास्टिक पहुंचाने के मामले में अग्रणी हैं। अकेले फिलीपींस की 4800 नदियां हर साल 3.5 लाख मीट्रिक टन प्लास्टिक समुद्रों तक पहुंचाती हैं। भारत की 1100 से ज्यादा नदियां हर साल 1.25 लाख टन प्लास्टिक समुद्र में पहुंचाती हैं। प्लास्टिक प्रदूषण के अलावा जलवायु परिवर्तन भी महासागरों के लिए खतरा बन चुका है। महासागरों का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण तूफानों की तीव्रता और संख्या में वृद्धि हो रही है। अरब सागर, जो पहले अपेक्षाकृत ठंडा क्षेत्र माना जाता था, अब गर्म हो चुका है। इससे मानसून के पूर्व सत्र में लगातार पांच वर्षों तक चक्रवातों की संख्या में तेजी आई है। आईपीसीसी की जलवायु वैज्ञानिक डॉ. रोक्सी कौल के अनुसार, यह स्थिति जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं और इससे समुद्री पारिस्थितिकी और मानव जीवन दोनों को खतरा है। बहरहाल, वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों की राय में समुद्रों की निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक कठोर उपाय अपनाने होंगे। प्लास्टिक उत्पादन, खपत और निपटान को नियंत्रित करने के लिए ठोस नीति और जन-जागरूकता अभियान चलाना बेहद जरूरी हो गया है। तभी हम आने वाली पीढ़ियों के लिए समुद्रों को सुरक्षित और स्वच्छ बना पाएंगे।

8 विकेट से सादड़ी रॉयल्स ने जीती क्रिकेट प्रतियोगिता

फाइनल में सागर इलेवन फालना को हराया, 21 हजार रुपए का इनाम

चमकता राजस्थान

सादड़ी पाली.में भीकाराम कंडारायुवा कांग्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-3 का समापन शनिवार को हुआ। सादड़ी रॉयल्स ने फाइनल मुकाबले में सागर इलेवन फालना को हराकर चैंपियनशिप का खिताब जीता। यह प्रतियोगिता 2 जून से शुरू हुई थी, जिसमें कुल 24 टीमों ने भाग लिया और पांच दिनों तक रोमांचक मुकाबले खेले गए।विजेता टीम को मिले 21 हजार रुपए

विजेता टीम सादड़ी रॉयल्स को 21 हजार रुपए नकद और एक ट्रॉफी प्रदान की गई। उपविजेता रही सागर इलेवन फालना को 5100 रुपए नकद और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

समापन समारोह में कांग्रेस नेता एवं सुमेरपुर विधानसभा प्रत्याशी हरिशंकर मेवाड़ा, कांग्रेस नेता ठाकुर अभिमन्यु सिंह फालना, जिला खेलकूद प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुकेश बिरोलिया और सादड़ी नगराध्यक्ष गोविंद व्यास उपस्थित रहे। इन अतिथियों ने खिलाड़ियों को ट्रॉफी और पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में आयोजक राकेश सवंसा, हरीश भाटी, विकास बावल और मोडाराम चौधरी सहित युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस दौरान क्षेत्रभर के खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

संक्षिप्त समाचार

स्मार्ट मीटर बने सिरदर्दः 15 हजार तक पहुंचे बिजली बिल, लोगों ने खोला मोर्चा

चमकता राजस्थान/उन्हेल नागेश्वर/ गोवर्धन सिंह। झालावाड़ जिले के गंगधार उपखण्ड क्षेत्र के लोगों ने स्मार्ट मीटरों के विरोध में सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपकर अपनी नाराजगी जाहिर की। कस्बेवासियों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बिजली बिलों में कई गुना वृद्धि हो गई है, जिससे आम उपभोक्ता आर्थिक रूप से परेशान हो रहे हैं। ज्ञापन में बताया गया कि पहले सामान्य मीटरों के माध्यम से बिजली उपभोग के अनुसार सामान्य बिल आते थे, लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिलों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कई परिवारों के बिजली बिल प्रतिमाह 10 से 15 हजार रुपए तक पहुंच गए हैं, जबकि उनकी बिजली खपत में कोई विशेष बढ़ोतरी नहीं हुई है। कस्बेवासियों का कहना है कि बढ़े हुए बिजली बिलों ने विशेष रूप से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। लोगों ने सरकार से स्मार्ट मीटरों की कार्यप्रणाली की जांच कर उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को 15 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी गई कि यदि निर्धारित समयावधि में समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कस्बेवासी उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

223 किलो डोडा पोस्त तस्करी मामले का वांछित आरोपी फलोदी से दस्तयाब, मध्यप्रदेश पुलिस को सौंपा

चमकता राजस्थान/फलोदी। मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत फलोदी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) फलोदी एवं थाना जाम्बा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में दर्ज 223 किलोग्राम डोडा पोस्त तस्करी प्रकरण के वांछित आरोपी हंसराज बिश्नोई को दस्तयाब कर मध्यप्रदेश पुलिस के सुपुर्द किया।
पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह (आईपीएस) ने बताया कि 31 अगस्त 2025 को थाना नामली, जिला रतलाम (मध्यप्रदेश) पुलिस ने एक फॉर्च्यूनर वाहन से 223 किलो डोडा पोस्त एवं 3.50 लाख रुपये बरामद कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। इस प्रकरण में आरोपी हंसराज लंबे समय से फरार चल रहा था।
8 जून 2026 को डीएसटी फलोदी को मिली सूचना के आधार पर जाम्बा की ढाणी (जाम्बा) में कार्रवाई कर आरोपी को दस्तयाब किया गया। बाद में अग्रिम कानूनी कार्रवाई एवं अनुसंधान के लिए उसे रतलाम पुलिस के हवाले कर दिया गया। **आरोपीः** हंसराज पुत्र सहीराम बिश्नोई, निवासी नोखड़ा गोदारान, थाना भोजासर, जिला फलोदी। इस कार्रवाई में डीएसटी प्रभारी प्रदीप एएसआई, कांस्टेबल चोखाराम, रामेश्वर, महेंद्र, गंगाराम तथा थाना जाम्बा के हेड कांस्टेबल जयराम एवं कांस्टेबल गोरधनराम की विशेष भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने टीम को पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की है।

गोचर बचाओ फाउंडेशन की जिला कार्यकारिणी में एडवोकेट मुकेश कुमार सुथार को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

चमकता राजस्थान/महेश कुमार बिड़ला मीडिया प्रभारी/मांडल भीलवाड़ा। गोचर बचाओ फाउंडेशन ने संगठन के विस्तार एवं गोचर भूमि, पर्यावरण संरक्षण तथा जन-जागरूकता अभियानों को गति देने के उद्देश्य से जिला कार्यकारिणी का गठन किया है। प्रदेश संयोजक लक्ष्मी कुमारी एडवोकेट एवं राष्ट्रीय संयोजक गौड़ सिंह मंगलपुरा की अनुशंसा पर एडवोकेट मुकेश कुमार सुथार को उनकी सामाजिक सक्रियता, संगठनात्मक क्षमता एवं विधिक अनुभव को देखते हुए जिला महासचिव पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। फाउंडेशन ने विश्वास व्यक्त किया है कि मुकेश कुमार सुथार के नेतृत्व में जिले में गोचर संरक्षण, जल स्त्रोतों के संवर्धन तथा पर्यावरण जागरूकता से जुड़े अभियानों को नई दिशा मिलेगी। साथ ही अन्य पदाधिकारियों की भी नियुक्ति कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाया गया है।

स्पीकर देवनानी ने चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) जोन-द्वितीय सम्मेलन को किया संबोधित

विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में जागरूक समाज, युवा शक्ति और उत्तरदायी विधायकों की भूमिका अहमः देवनानी

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित, आत्मनिर्भर, समृद्ध और समावेशी राष्ट्र बनाने का संकल्प केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षा और सहभागिता का महायज्ञ है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जागरुक समाज, दूरदर्शी जनप्रतिनिधि तथा युवा शक्ति की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है।
हरियाणा में देवनानी ने संबोधित किया सीपीए सम्मेलन कोः देवनानी मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा विधान सभा में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) जोन-द्वितीय सम्मेलन में ?विकसित भारत-2047 के लक्ष्यों एवं भावी चुनौतियों को साकार करने में जागरूक समाज एवं विधायकों की भूमिका विषय पर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। श्री देवनानी ने हरियाणा को जीवंत संस्कृति, अपूर्ण शौर्य और पुरुषार्थ की पावन धरा बताया। उन्होंने विषय को सामयिक और राष्ट्र के भविष्य का मार्ग चित्र तय करने वाला युगांतकारी संकल्प बताया।
अंतिम व्यक्ति की प्रगति से ही समाज का समग्र विकास संभव :-देवनानी ने कहा कि विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि ऐसा समग्र विकास है जिसमें अंतिम व्यक्ति की प्रगति से ही समाज का समग्र विकास संभव है। सामाजिक समरसता, तकनीकी नवाचार, पर्यावरणीय संतुलन, सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती ही विकसित भारत की वास्तविक आधारशिला है। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, तीव्र शहरीकरण, कौशल विकास और वैश्विक अस्थिरता जैसी चुनौतियों का प्रभावी समाधान जागरूक नागरिक समाज और उत्तरदायी जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता एक सजग नागरिक समाज पर निर्भर करती है, जो अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी समान रूप से प्रतिबद्ध हो। श्री देवनानी ने विकसित भारत अभियान को 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं का पावन महायज्ञ बताया। विकसित भारत के लिये हमारे सामने जटिल चुनौतियां हैं, जिनका सभी को मिलजुल कर मुकाबला करना होगा।
ए.आई और ई-गवर्नेंस जैसे विषयों पर प्रासंगिक कानूनों की आवश्यकताः- देवनानी ने कहा कि वर्तमान समय में विधायकों की भूमिका केवल स्थानीय समस्याओं के समाधान तक सीमित नहीं रह गई है। उन्हें नीति-निर्माता, समाज सुधारक और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता के रूप में कार्य करना होगा। बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप साइबर अपराध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ई-गवर्नेंस तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर प्रभावी और प्रासंगिक कानूनों का निर्माण समय की आवश्यकता है।
पारदर्शी और जवाबदेह उपयोग को सुनिश्चित करने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्णः श्री देवनानी ने कहा कि विधानसभाएं केवल कानून निर्माण की संस्थाएं नहीं हैं, बल्कि राज्यों के विकास की दिशा निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक मंच हैं। जन-आकांक्षाओं के अनुरूप नीतियों का निर्माण तथा सार्वजनिक संसाधनों के पारदर्शी और जवाबदेह उपयोग को सुनिश्चित करने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।
राजस्थान विधान सभा में डिजिटल तकनीकों का किया जा रहा है उपयोगः राजस्थान विधानसभा के नवाचारों का उल्लेख करते हुए श्री देवनानी ने कहा कि विधानसभा को अधिक पारदर्शी, आधुनिक और जनोन्मुखी बनाने के लिए डिजिटल तकनीकों का व्यापक उपयोग किया गया है। विधानसभा की कार्यवाही, प्रश्नोत्तर, प्रस्ताव एवं विधायी दस्तावेजों को ऑनलाइन उपलब्ध कराकर पेपरलेस व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। साथ ही जन-दर्शन कार्यक्रम, युवा संसद तथा विधायकों के क्षमता निर्माण संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता और युवाओं से जोड़ने के प्रभावी प्रयास किए गए हैं।

स्मार्ट मीटरों के विरोध में फूटा जनाक्रोशः 8 दिन में सुनवाई नहीं हुई तो नगर बंद कर होगा उग्र आंदोलन

चमकता राजस्थान

उन्हेल नागेश्वर/गोवर्धन सिंह। झालावाड़ जिले के गंगधार उपखण्ड क्षेत्र में आम नागरिक समिति चौमहला के नेतृत्व में मंगलवार को स्मार्ट मीटरों के विरोध में ऊर्जा मंत्री राजस्थान सरकार के नाम उपखंड अधिकारी गंगाधर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग द्वारा पूरे उपखंड क्षेत्र में जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जिससे आम नागरिकों को आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।
आम नागरिक समिति के संस्थापक अंशुल पटेल ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। लोगों का कहना है कि नए मीटर सामान्य मीटरों की तुलना में अधिक रीडिंग दर्ज कर रहे हैं, जिससे भारी-भरकम बिजली बिल आ रहे हैं। समिति ने इसकी उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग उठाई है।
ज्ञापन में मांग की गई कि आम उपभोक्ताओं के घरों में जबरन स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया तत्काल बंद की जाए। जिन उपभोक्ताओं के यहां नए मीटर लगाए गए हैं, वहां पुनः पुरानी मीटर व्यवस्था बहाल की जाए। साथ ही स्मार्ट मीटरों की कार्यप्रणाली और बिलिंग प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।
समिति पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 8 दिनों के भीतर उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो चौमहला नगर बंद कर उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।
ज्ञापन सौंपने के दौरान आम नागरिक समिति के संस्थापक अंशुल पटेल, दीपक बैरागी, अंतिम, दीपक डपकरा, अजय, अभिषेक, अशोक, मोनू, राहुल, शिवलाल, नितेश, विकास, अक्षय, अरुण जैन, पंकज, कन्हैयालाल, बंटी कहार, लक्की, चंदप्रकाश, महेश, विनायक सहित समिति एवं व्यापार संघ के अनेक सदस्य मौजूद रहे।

महंगाई, भ्रष्टाचार और पेपर लीक के विरोध में जनसंगठनों ने फूंका प्रधानमंत्री का पुतला

चमकता राजस्थान/अनिल सैन/फलोदी। जनसंगठनों एसएफआई, एडवा, सीटू, डीवाईएफआई एवं किसान सभा के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को महंगाई, भ्रष्टाचार, पेपर लीक, स्मार्ट मीटर, कमीशनखोरी तथा विभिन्न जनसमस्याओं के विरोध में कलेक्टर कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया गया।
प्रदर्शन को संबोधित करते हुए किसान सभा जिला संयोजक हनुमान परिहार ने कहा कि पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों से महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिससे आम मजदूर और किसान का जीवन प्रभावित हो रहा है।
एसएफआई जिला अध्यक्ष गोपाल शेखासर ने कहा कि बार-बार पेपर लीक की घटनाओं से विद्यार्थी तनाव में हैं। उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) पर सवाल उठाते हुए शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। कार्यक्रम में सीटू जिला अध्यक्ष जयगोपाल, एसएफआई जिला सचिव संतोष कुमार बिश्नोई, छात्रा जिला सह-संयोजक कविता सिसोदिया, रिंकू परिहार, कैलाश पंवार, सोएब खान, आसिफ खान, लोकेश गर्ग, कैलाश चौहान, भोजाराम कटारिया, मुरली कटारिया, रमन पालीवाल, नीलम राठौड़, पूनम, जरीना मेहर, मनीषा, दिनेश कुमार, ललित परिहार, सुनील कुमार, रमेश कुमार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। जनसंगठनों ने सरकार से महंगाई पर नियंत्रण, पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई और जनसमस्याओं के समाधान की मांग की।

राजस्थान प्रान्तीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा के तत्वाधान में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित होगा

चमकता राजस्थान

दौसा(दीपक शर्मा बामनवास) । प्रदेश मंत्री मुकेश कुमार गौतम नारौली चौड़ ने बताया कि रविवार 14 जून 2026 को राजस्थान प्रान्तीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा के सानिध्य में हमारे समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं 2026 में 10वीं 12 वीं में 90%वाले सम्पूर्ण राजस्थान के छात्र छात्राओं का एवं फ्अर,2026 में चयनित विप्र बंधु का राजस्थान प्रान्तीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा के मंच से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा । राजस्थान प्रांतीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा की मिटीगं रखी गई है इस लिये सभी राजस्थान प्रान्तीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा के पदाधिकारी, सभी जिला अध्यक्ष अपनी समस्त कार्यकारणी सदस्यों सहित कार्यक्रम में आयोजित मिटीग में पधारने का निवेदन किया है जिससे राजस्थान प्रान्तीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा समाज हित में कई नए निर्णय आप सभी की सहमति से लेकर प्रांतीय सभा द्वारा राजस्थान में ऐतिहासिक, कार्य करने का संकल्प लेकर समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर करना है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रम एवं मिटीगं में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधार कर समाज हित में अपने अपने विचार व्यक्त कर समाज हित मे अपना योगदान दे।इस लिए आप सभी राजस्थान प्रान्तीय सभा, महिला प्रांतीय सभा ,प्रांतीय युवक संघ, के सभी जिलों के एवं सभी तहसीलो के पदाधिकारी 14 जून रविवार 2026 को गौतम आश्रम पुष्कर अवशय पधारें।

सफाई और पानी की समस्या को लेकर कांग्रेस पार्षद ने दिया ज्ञापन

चमकता राजस्थान/जयपुर। झालरापाटन में काफी समय से बोर्ड खत्म होने के बाद झालरापाटन की व्यवस्था को किसी की नजर सी लग गई हो हर तरफ कचरा और गंदगी बदबू से सटी नालिया बता रही हैं कि झालरापाटन शहर के नागरिको किन परेशानियों का सामना कर रहे हैं पार्षद रिजवान अहमद ने बताया कि मेरे वार्ड हरिश्चन्द्र कॉलोनी, में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। यहाँ पानी का प्रेशर नहीं आने के कारण गर्मियों में बहुत परेशानी रहती. है, जिसकी शिकायत कई बार पेयजल विभाग में करने पर भी अभी तक कोई निस्तारण नहीं हुआ है। पानीं की नियमित व्यवस्था न होने से दैनिक जीवन बहुत प्रभावित हो रहा है तथा स्वच्छ पानी की उपलब्धता भी नहीं हो पा रही है। इस समस्या के समाधान हेतु मेरे वार्ड में जल्द से जल्द दो से तीन ट्यूबवेल लगाया जाना अत्यंत आवश्यक है। टयूबवेल लगवाने के लिए आज अपने वार्ड वासियों के साथ नगरपालिका प्रशासक झालरापाटन तहसीलदार नरेंद्र मीणा को ज्ञान दिया गया ' साथ ही पार्षद नवीन मेघवाल ने बताया कि झालरापाटन में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ चुकी हैं हर जगह गली में मोहल्ले ओर चौराहों पर कचरे का ढेर लगा हुआ आगे आने वाली बरसात से झालरापाटन की स्थिति ओर खराब न हो पाए इसलिए अभी से ही अवगत करवाया गया है । तहसीलदार ने समस्याओं का शीघ्र समाधान करवाने का आश्वासन दिया है। ज्ञापन देने वाले में गौरव नागरे, राहुल नागरे, मधुसूदन नामदेव, ब्रजमोहन रैगर, फारूक गोरी मोंटी, ललित सेन,इत्यादि वार्डवासी मौजूद रहे '।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में डीएलसीसी बैठक आयोजित

वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु 4705.90 करोड़ रुपये की संशोधित वार्षिक साख योजना को मिली मंजूरी

सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं बेहतर समन्वय पर जिला कलक्टर ने दिया जोर

चमकता राजस्थान

ब्यावर। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कमल राम मीना की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय परामर्श एवं समीक्षा समिति (डीएलसीसी) की वित्तीय वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (मार्च 2026) की समीक्षा बैठक का आयोजन जिला सभागार में किया गया।बैठक के दौरान जिला कलेक्टर मीना ने जिले के सभी बैंकर्स को राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पूर्व प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित ऋण एवं अन्य आवेदनों का सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही विभिन्न सरकारी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागों एवं बैंकर्स के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश प्रदान किए।
बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिले की संशोधित वार्षिक साख योजना 4705.90 करोड़ रुपये का अनुमोदन किया गया।इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक, जयपुर के सहायक महाप्रबंधक मनीष मांडल ने बैंक खातों में री-केवाईसी (फ्री-ङउ) की प्रगति बढ़ाने एवं लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक (डीडीएम) आशीष जैन ने नाबार्ड द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कृषि अवसंरचना (एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर) के विकास एवं विस्तार हेतु आवश्यक सुझाव एवं निर्देश प्रदान किए।बैठक का संचालन अग्रणी जिला प्रबंधक राजेश कुमार परमार ने किया। उन्होंने जिले के बैंकिंग नेटवर्क, बैंक शाखाओं के साख-जमा अनुपात (सीडी रेशियो), वार्षिक साख योजना 2025-26 की उपलब्धियों तथा एनपीए खातों की स्थिति एवं प्रगति पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।बैठक के अंत में बैंक ऑफ बड़ौदा के उप क्षेत्रीय प्रमुख टी.एस. शेखावत ने उपस्थित अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

नए वर्ष 2026-27 की टीम घोषित संजीव व्यास बने अध्यक्ष, उषा गर्ग बनी माइक्रो चेयरमैन

चमकता राजस्थान/मनीष मेहता जोधपुर। लायंस क्लब जोधपुर एक्टिव की नए वर्ष 202627 की टीम घोषित संजीव व्यास बने अध्यक्ष उषा गर्ग बनी माइक्रो चेयरमैन सभी को बताते हुए बहुत हर्ष हो रहा है हमारी आज मीटिंग में सर्व सम्मति से इस वर्ष के 202627 की टीम घोषित हुई जिसमें अध्यक्ष पद के लिए एडवोकेट संजीव व्यास को अध्यक्ष सनसिटी रॉक स्टार अमित पेड़ीवाल को सचिव फेमस एंकर आर जे ,सिंगर वीना हरवानी को कोषाध्यक्ष बनाया गया है और मुझे लायंस गवर्नर निशांत जैन द्वारा वर्ष202627 की माइक्रो कैबिनेट में प्रांतीय स्तर में दिव्यांग का चेयरमैन बनाया गया है गीता खेतानी को उपाध्यक्ष मनीषा परिहार दीपा सिंह मंजू संत अनुराधा एडवोकेट नीलम गोयल को डायरेक्टर चंचल गहलोत को डायरेक्टर और एडवोकेट नीलम सोनी को टेल टेमर बनाया गया है क्लब स्तर पर उषा गर्ग एडमिनिस्ट्रेशन देखेंगी सभी ने नए अधिकारियों को बधाई दी।

संक्षिप्त समाचार

रावतसर से उठी आवाजः मूल ओबीसी समाज ने अधिकारों के लिए भरी हुंकार

चमकता राजस्थान/चूरू/अशोक प्रजापति। रावतसर। अति पिछड़ी जाति सेवा समिति द्वारा रावतसर में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में मूल ओबीसी समाज के 700 से अधिक लोगों ने भाग लिया। बैठक में सामाजिक न्याय, आरक्षण, रोजगार एवं राजनीतिक भागीदारी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बड़ी संख्या में समाज के लोगों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया।सभा में उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से मांग की कि वर्ष 1999 से पूर्व की व्यवस्था को बहाल किया जाए तथा मूल ओबीसी समाज के अधिकारों और हिस्सेदारी की रक्षा सुनिश्चित की जाए। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 1999 के बाद ओबीसी वर्ग में शामिल की गई कुछ जातियों के कारण मूल ओबीसी समाज को मिलने वाले अवसरों और प्रतिनिधित्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।बैठक में समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे इस विषय को न्यायालय, सरकार तथा अन्य लोकतांत्रिक मंचों पर मजबूती से उठाएंगे। साथ ही समाज के हितों से जुड़े मुद्दों पर संगठित रूप से संघर्ष जारी रखने का संकल्प भी लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि मूल ओबीसी समाज अपने हक, सम्मान, आरक्षण, रोजगार और राजनीतिक भागीदारी की रक्षा के लिए संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करता रहेगा।सभा में यह भी कहा गया कि समाज भविष्य की राजनीतिक रणनीति पर विचार करेगा तथा अपने हितों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने वाले जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों को समर्थन देने पर निर्णय लेगा।

जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में अपराध गोष्ठी का आयोजन

- **जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह ने किया उत्कृष्ट सेवा का सम्मान**

चमकता राजस्थान/पत्रकार कमल साहू/ब्यावर। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह ने बताया कि 08.जून .2026 को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में अपराध गौष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति डॉ अनुकृति उज्जैनिया, जिले के समस्त वृत्ताधिकारी / थानाधिकारी एवं शाखा प्रभारी उपस्थित रहे। अपराध गोष्ठी के दौरान जिले में बढती चोरी की घटनाओं एवं अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर विशेष रूप से समीक्षा की गई। जिला पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु रात्रि गश्त बढ़ाई जाए, संदिग्ध व्यक्तियों की नियमित जांच की जाए तथा पूर्व में चोरी के मामलों में संलिप्त अपराधियों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। साथ ही, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर अपराधियों की धरपकड़ करने के निर्देश दिए गए।

अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर कड़ी कार्रवाई करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि नशा तस्करों के विरुद्ध अभियान चलाकर कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सीमावर्ती क्षेत्रों एवं मुख्य मार्गों पर चेकिंग अभियान सघन किए जाने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण, वारंटों की तामीली, गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश तथा महिला एवं बाल अपराध से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता बरतने के निर्देश भी प्रदान किए गए।

जिला पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को आमजन के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने एवं जनसहयोग से अपराध नियंत्रण की दिशा में प्रभावी कार्य करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उत्तर भारत का सर्वश्रेष्ठ प्लांट है अजमेर डेयरीः राजसमन्द संचालक मंडल ने किया भ्रमण, अजमेर डेयरी से जुड़ने की जताई प्रबल इच्छा

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर/अजमेर। राजसमन्द जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के संचालक मंडल ने आज अजमेर सरस डेयरी के अत्याधुनिक और विशाल प्लांट का भ्रमण किया। इस दौरान राजसमन्द से आए प्रतिनिधिमंडल ने अजमेर डेयरी की उच्च तकनीक और कार्यप्रणाली से अभिभूत होकर अजमेर डेयरी के साथ जुड़ने की जोरदार पैरवी की।

- **साफा, शॉल और माल्यार्पण से हुआ भव्य स्वागत**

अजमेर डेयरी परिसर पहुँचने पर राजसमन्द के संचालक मंडल का राजस्थानी परंपरा और पूरे मान-सम्मान के साथ स्वागत किया गया। अजमेर डेयरी के अध्यक्ष श्री रामचंद्र चौधरी और प्रबंध संचालक श्री रामलाल चौधरी ने सभी अतिथियों को माल्यार्पण कर, साफा पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और स्मृति चिह्न भेंट किए।

प्रतिनिधिमंडल में ये रहे मौजूद

» इस विशेष भ्रमण में राजसमन्द डेयरी के चेयरमैन श्री लक्ष्मीनारायण जी गुर्जर के नेतृत्व में डायरेक्टर श्री प्रकाश जी पालीवाल, श्री जगदीश चंद्र जी शर्मा, श्रीमती संजना जी गुर्जर, श्रीमती मानसा कंवर, श्री रूपलाल जी गमेती, राजसमन्द प्रतिनिधि श्री अनिल जी देशवाल और क्वालिटी कंट्रोल प्रभारी श्री जागृत गोस्वामी ने भाग लिया। अजमेर डेयरी के इस प्लांट को देखकर सभी सदस्यों ने इसकी भूरि–भूरि प्रशंसा की।

- **वर्तमान में भीलवाड़ा से हो रहा काम, अब अजमेर से जुड़ने की मांग**

भ्रमण के दौरान एक बेहद महत्वपूर्ण बात सामने आई। राजसमन्द डेयरी के संचालक मंडल के सदस्यों ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में वे अपना दुग्ध संकलन भीलवाड़ा डेयरी को भेज रहे हैं और उनके उत्पादों का विपणन (मार्केटिंग) भी वहीं से हो रहा है। अजमेर डेयरी के विश्वस्तरीय प्लांट को देखने के बाद राजसमन्द के सदस्यों ने इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि, ₹हमें अजमेर डेयरी में शामिल किया जाए, जिससे राजसमन्द को भी अजमेर डेयरी के उच्च गुणवत्ता वाले बेहतरीन दुग्ध उत्पाद मिल सकें।₹ यह प्रस्ताव दोनों जिलों के बीच सहकारिता के एक नए अध्याय की शुरुआत कर सकता है।

- **उत्तरी भारत में सर्वश्रेष्ठ है अजमेर डेयरी का प्लांट**

इस अवसर पर अजमेर डेयरी के अध्यक्ष महोदय ने संचालक मंडल को प्लांट की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि नवीन तकनीक, स्वच्छता मानकों और उत्पादन क्षमता के आधार पर अजमेर सरस डेयरी का यह प्लांट आज पूरे उत्तरी भारत की डेयरियों में सर्वश्रेष्ठ है। अत्याधुनिक मशीनों के जरिये यहाँ किसानों का दूध सुरक्षित रहता है और उपभोक्ताओं तक सर्वोत्तम गुणवत्ता के उत्पाद पहुँचते हैं।

1.60 करोड़ रुपये की निधि के बावजूद नाले अधूरे; मानसून से पहले काम पूरा करने की मांग

दिवा में शिवसेना का अनोखा 'गटर पूजन' आंदोलन, नाला सफाई में लापरवाही पर प्रशासन को चेतावनी

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/ठाणे। दिवा शहर में नाला सफाई के कार्य अब तक अधूरे होने के कारण आगामी मानसून में नागरिकों को जलभराव और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसी मुद्दे पर ठाणे महानगरपालिका प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की ओर से दिवा में अनोखा 'गटर पूजन' आंदोलन किया गया।

यह आंदोलन कल्याण लोकसभा संपर्क प्रमुख गुरुनाथ खोत और कल्याण जिलाप्रमुख अभिजीत सावंत के मार्गदर्शन में, कल्याण ग्रामीण विधानसभा उपजिल्हाप्रमुख एड. रोहिदास मुंडे तथा दिवा शहर प्रमुख सचिन पाटील के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

आंदोलनकारियों का आरोप है कि दिवा क्षेत्र के कई नाले और गटरों की सफाई अभी भी अधूरी है, जिससे बारिश के दौरान बड़े पैमाने पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नाला सफाई के लिए लगभग 1 करोड़ 60 लाख रुपये की निधि मंजूर होने के बावजूद अपेक्षित स्तर का काम नहीं हुआ है।

इस दौरान शिवसैनिकों ने गटर पूजन कर प्रशासन की निष्क्रिय कार्यप्रणाली के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। साथ ही मांग की कि नाला सफाई के सभी कार्य तत्काल पूरे किए जाएं ताकि नागरिकों को मानसून के दौरान संभावित संकट से राहत मिल सके।

आंदोलन में कल्याण जिलाप्रमुख अभिजीत सावंत, जिला सचिव भैय्यासाहेब पाटील, उपजिल्हाप्रमुख एड. रोहिदास मुंडे, कल्याण ग्रामीण विधानसभा संघटिका योगिता नाईक, शहर प्रमुख सचिन पाटील, उपशहर प्रमुख मारुती पटेलकर, विभाग प्रमुख योगेश निकम, संजय जाधव, संतोष कदम, उमेश भानसे, शशिकांत कुंभारगण, विलास उतेकर, तुषार सावंत सहित बड़ी संख्या में उपविभाग प्रमुख, शाखा प्रमुख, उपशाखा प्रमुख, गट प्रमुख और शिवसैनिक उपस्थित थे।

कबीर जयंती पर प्रतिभाओं का सम्मान, शिक्षा की अलख जगाने का लिया संकल्प

- **चायडा में सतगुरु कबीर मेहर सेवा समिति का समारोह, समाजजनों ने संत कबीर के आदर्शों पर चलने का दिया संदेश**

चमकता राजस्थान/उन्हेल नागेश्वर/गोवर्धन सिंह। झालावाड़ जिले के गंगधार उपखण्ड क्षेत्र के ग्राम चायडा में सतगुरु कबीर मेहर सेवा समिति के तत्वावधान में कबीर जयंती समारोह उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों एवं युवाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही। समारोह में वक्ताओं ने संत कबीर के विचारों को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताते हुए शिक्षा को सामाजिक विकास का सबसे मजबूत आधार बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेहर समाज जिला अध्यक्ष चेतराज गहलोत (झालावाड़) रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में घासीराम कामरेड एवं शंकरलाल मेहर (करणपुरा), ब्लॉक अध्यक्ष मेहर समाज डग उपस्थित रहे।

समारोह में दिनेश जनपद सदस्य भवानीमंडी, कालूराम पूर्व सरपंच बड़ियाखेड़ा, समिति अध्यक्ष रामलाल मेहर चायडा, कालूराम चायडा, अध्यापक गोवर्धनलाल बिलखेड़ी, नारायणलाल गोलखेड़ी, देवीलाल कुंडला सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन मौजूद रहे।

इस अवसर पर कक्षा 8वीं, 10वीं एवं 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर प्रतिभा सम्मान किया गया। अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्हें निरंतर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वक्ताओं ने कहा कि संत कबीर के विचार समाज को समानता, भाईचारे और जागरूकता का संदेश देते हैं। उन्होंने समाज के प्रत्येक परिवार तक शिक्षा की अलख जगाने तथा नई पीढ़ी को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने का आ''ान किया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक एकता, शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने का सामूहिक संकल्प भी लिया गया।

अंत में उपस्थितजनों ने संत कबीर के आदर्शों को जीवन में अपनाकर समाज को शिक्षित, संगठित और प्रगतिशील बनाने का संदेश दिया।

रिड़मलनगर कल्लां की जीएलआर व पशुखेली छः वर्षो से बन्द पड़ा हैं घरो में अवैध कनेक्शन से ठेकेदार व कर्मचारियों को मोटी रकम मिल रही हैं, पानी की सप्लाई ठप, ग्रामीण परेशान

चमकता राजस्थान

सियाराम विश्नोई/जाम्बा। पानी सप्लाई ठप, ग्रामीण परेशान PhED वाटर सप्लाई प्लांट जाम्बा से काछबाणियों की ढाणी (रिड़मलनगर कल्लां) तक पानी सप्लाई के 2 प्वॉईन्ट जीएलआर व पशुखेली बनकर तैयार हुऐ छः वर्ष से अधिक हो चुके हैं यह जीएलआर बनने के 6 महिने बाद पांचाराम जी पूर्व उप जिला प्रमुख जोधपुर का पुत्र यहॉ ठेकेदार के रुप में आया था तो ग्रामीणों ने बताया कि 6 महिने से इन जीएलआर में पानी सप्लाई ही नही हुआ हैं तो पूर्व उप जिला प्रमुख के पुत्र ने बताया कि हम लाईन ठीक करने आये हैं पाईप लाईन ठीक होने के पश्चात पानी की सप्लाई होती रहेगी पानी की पाईप लाईन ठीक करने के बाद भी पानी सप्लाई नही हुआ तो ग्रामीणों ने मिलकर श्रीमान एक्शन फलोदी को फोन पर शिकायत दी फिर भी समस्या जस की तस रही ` काछबाणियों की ढाणी व रिड़मलनगर कल्लां की पम्पिग मोटर भी इस पाईप लाईन में नही लगी हुई हैं वाटर सप्लाई प्लांट जाम्बा के कर्मचारियों व ठेकेदार के कर्मचारी ने मिलकर पैसो के चक्कर में किसी अन्य पाईप लाईन में पम्पिग मोटर लगा दी गई हैं।

सरकार से ग्रामीणों की मांग हैं कि जब से यह जीएलआर व पशुखेली बनी हैं तब से आज तक, वाटर सप्लाई के नाम पर पानी का एक बूंद तक इन जीएलआर व पशुखेली तक नही पहुंचा हैं` महोदय जी आपसे निवेदन रहेगा कि इन सभी कर्मचारियों व ठेकेदार पर कानुनी कार्रवाही होनी चाहिये तथा काछबाणियों की ढाणी व रिड़मलनगर कल्लां की इन दोनों जीएलआर व पशुखेली की समस्या को दुरुस्थ कर पानी की सप्लाई करने में ग्रामीणों की मदद करावे जिससे आवारा पशु व आसपास के ग्रामीणों को पानी की सुविधा मिल सके ।

कन्हैयालाल चौधरी पीएचईडी मंत्री जयपुर, चीफ इंजिनियर ग्रामीण पीएचईडी जयपुर, चीफ इंजिनीयर प्रोजेक्ट पीएचईडी जोधपुर को मैल के माध्यम से ज्ञापन दिया, ज्ञापन में बताया कि कर्मचारियों द्वारा घरो में अवैध कनेक्शन दिया गया जिनसे ठेकेदार व कर्मचारियों को मोटी रकम मिल रही हैं।

कुर्ला में नागरिकों से सीधा संवाद; पानी, पार्किंग और दुर्गंधी की समस्याओं के समाधान का आश्वासनₑ : सांसद वर्षा गायकवाड़

- **जनसंवाद के माध्यम से लोगों की समस्याएं सुनीं; महानगरपालिका और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई के लिए किया जाएगा फॉलो-अप**

चमकता राजस्थान/अरविंद कोठारी/मुंबई। अपने लोकसभा क्षेत्र के कुर्ला इलाके में नागरिकों से सीधे संवाद करते हुए सांसद वर्षा गायकवाड़ ने लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनना और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

जनसंवाद के दौरान नागरिकों ने पेयजल पाइपलाइन की अपर्याप्त व्यवस्था, बढ़ती पार्किंग समस्या, नालों से आने वाली दुर्गंध तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी परेशानियों को सामने रखा। लोगों द्वारा उठाए गए प्रत्येक मुद्दे को गंभीरता से दर्ज किया गया।

सांसद वर्षा गायकवाड़ ने आश्वासन दिया कि इन सभी समस्याओं को लेक र मुंबई महानगरपालिका और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई के लिए फॉलो-अप किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं, अधिकारों और क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए वे पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

जनसंवाद के दौरान नागरिकों को यह भी भरोसा दिलाया गया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे और संबंधित विभागों के साथ नियमित समन्वय रखकर जल्द से जल्द ठोस कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। नागरिकों ने भी अपनी समस्याएं सीधे जनप्रतिनिधि तक पहुंचाने की इस पहल का स्वागत किया।

शुरुआती बारिश में ही उखड़ी नागौर की सड़कें, मानसून से पहले मरम्मत की मांग तेज

चमकता राजस्थान

मोहम्मद रफीक/नागौर। शहर में पिछले दिनों हुई हल्की बारिश के बाद ही मुख्य और आंतरिक सड़कों की बदहाल स्थिति सामने आने लगी है। शहर की कई प्रमुख सड़कें क्षतिग्रस्त होकर गड्ढों में तब्दील हो गई हैं, जिससे आमजन को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बना हुआ है।

कलेक्ट्रेट कार्यालय जाने वाले मुख्य मार्ग सहित शहर की बी रोड, गांधी चौक, बंसीवाला मंदिर और अन्य क्षेत्रों की सड़कें जगह-जगह से टूट चुकी हैं। बड़े-बड़े गड्ढों के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन सड़कों पर आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। दिल्ली दरवाजा के अन्दर की सड़क इतनी क्षतिग्रस्त हो गयी आये दिन वहाँ पर वाहन गाड्डो मे गिर जाते है 3 दिन सेलगातारगिर रहे हैं वाहन चालकआज भी लेक्ट्रॉनिक टैक्सी पलट गई जिससे कई क्योंके छोटे आई

शहरवासियों के अनुसार, नगर परिषद और संबंधित अधिकारियों को कई बार शिकायतें करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासन की उदासीनता के चलते स्थानीय दुकानदार और आसपास के निवासी अपने स्तर पर मिट्टी, चुना एवं अन्य सामग्री डालकर गड्ढों को भरने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन यह केवल अस्थायी समाधान साबित हो रहा है।

बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और गंभीर हो जाती है। पानी के कारण गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इन सड़कों की मरम्मत नहीं करवाई गई तो आगामी मानसून में हालात और अधिक खराब हो सकते हैं।

स्थानीय लोगों ने नगर परिषद और प्रशासन से मांग की है कि मानसून से पहले क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करवाई जाए, ताकि शहरवासियों को राहत मिल सके और संभावित सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

शहरवासियों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द ही समस्या का संज्ञान लेते हुए आवश्यक सुधार कार्य शुरू करेगा, जिससे लोगों को सुरक्षित और सुगम यातायात की सुविधा मिल सके।

प्राचीन भारत की गौरवशाली शिक्षा, संस्कृति और इतिहास से कराया परिचय

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत राज्यपाल ने विद्यार्थियों से किया संवाद

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने लोकभवन में आईआईआईटी धारवाड़ (कर्नाटक) के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि भारत प्राचीन काल से ही शिक्षा, संस्कृति और ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी राष्ट्र रहा है। उन्होंने बताया कि विश्व के सर्वाधिक 19 विश्वविद्यालय प्राचीन भारत में थे, जहां दुनिया भर से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते थे।₹एक भारत श्रेष्ठ भारत₹ कार्यक्रम के तहत आयोजित संवाद में राज्यपाल ने भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध इतिहास और बौद्धिक परंपराओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति सदैव विश्व के लिए प्रेरणास्त्रोत रही है। उन्होंने

युवाओं का आह्वान किया कि वे देश के इतिहास, परंपराओं और महान व्यक्तित्वों से प्रेरणा लेकर विकसित भारत के निर्माण में

योगदान दें।राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य युवाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ते हुए उन्हें आधुनिक विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है। उन्होंने राजस्थान की वीरांगना कालीबाई के अद्वितीय बलिदान का उल्लेख कर विद्यार्थियों को राष्ट्रभक्ति और समर्पण का संदेश दिया।संवाद के दौरान राज्यपाल ने राजस्थान के भूगोल, संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी देते हुए चित्तौड़गढ़ दुर्ग, गंग नहर तथा नर्मदा जल परियोजना जैसे विषयों पर भी रोचक तथ्य साझा किए।उन्होंने कहा कि ₹एक भारत श्रेष्ठ भारत₹ केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की विविधताओं को जोड़ने, राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और युवाओं में राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 की तैयारियों की जिला कलक्टर ने की समीक्षा

जनभागीदारी बढ़ाने और सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी), 9 जून। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के सफल आयोजन को लेकर जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट संदेश नायक ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करते हुए योग दिवस कार्यक्रमों में अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।जिला कलक्टर ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा, स्वस्थ जीवनशैली और निरोग समाज का आधार है। योग दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य एवं जागरूकता का व्यापक अभियान है। उन्होंने संबंधित विभागों को योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और कार्यक्रमों को जनभागीदारी का उत्सव बनाने पर विशेष जोर दिया।बैठक में बताया गया कि 21 जून 2026 को जिले में सवाई मानसिंह (एसएमएस) स्टेडियम, अल्बर्ट हॉल, पत्रिका गेट एवं जलमहल सहित चार प्रमुख स्थलों पर प्रातः 6 से 8 बजे तक योग कार्यक्रम आयोजित होंगे। इनमें एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा जिला कलक्टर ने कार्यक्रम स्थलों पर पेयजल, चिकित्सा सहायता, स्वच्छता, सुरक्षा, पार्किंग एवं यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्थलवार नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा पूर्व निरीक्षण के माध्यम से तैयारियों का सत्यापन करने को कहा उन्होंने आयुर्वेद, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाकर शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों एवं आमजन की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

● ये वरिष्ठ अधिकारीगण रहें मौजूद

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर राजीव दीक्षित, अतिरिक्त जिला कलक्टर (जयपुर शहर उत्तर) राजेन्द्र सिंह सहित आयुर्वेद, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, नगर निगम, परिवहन, सूचना एवं जनसंपर्क तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।योग दिवस को सफल, सुव्यवस्थित और जनभागीदारी आधारित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात कर नई पीढ़ी को इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति से जोड़ना समय की आवश्यकता : मानवेंद्र सिंह

चमकता राजस्थान

जयपुर/नई दिल्ली। (खलील कुरैशी)वीरता, स्वाभिमान, राष्ट्रभक्ति और अदम्य साहस के प्रतीक महान योद्धा सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती भारतीय रावत महासभा, जनकपुरी (नई दिल्ली) के तत्वावधान में महरौली स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर श्रद्धा, सम्मान और भव्यता के साथ मनाई गई।

समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में समाजबंधुओं, गणमान्य नागरिकों, महिलाओं एवं युवाओं ने भाग लेकर सम्राट पृथ्वीराज चौहान को पुष्पांजलि अर्पित की तथा उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का वातावरण राष्ट्रभक्ति, सामाजिक एकता और ऐतिहासिक गौरव की भावना से ओत-प्रोत रहा। उपस्थित वक्ताओं ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान के अद्वितीय शौर्य, नेतृत्व क्षमता, मातृभूमि के प्रति समर्पण तथा न्यायप्रिय शासन व्यवस्था का स्मरण करते हुए उन्हें भारतीय इतिहास के महानतम योद्धाओं में से एक बताया।

● बड़ी संख्या में समाजजन और गणमान्य नागरिक रहे उपस्थित

समारोह में महरौली थाना अध्यक्ष ऋषभ कुमार (अजमेर), दीपक कुमार (जयपुर) महेंद्र सिंह डोई धामस्या, दलपत सिंह कानूजा, भंवर सिंह टाटगढ़, दिल्ली पुलिस के नरेंद्र सिंह भीम, नेपाल सिंह, अनिता रावत माखुपुरा, प्रभु सिंह खरेकड़ी, भंवर सिंह भाटी तारागढ़, नारायण सिंह भाटी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।इस अवसर पर ब्रिगेडियर जितेंद्र सिंह जस्साखेड़ा की धर्मपत्नी रेणु सिंह की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम में महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को और अधिक गरिमामय बनाया।

● सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का लिया संकल्प

समारोह के दौरान समाज के लोगों ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान के आदर्शों पर चलने,सामाजिक एकता को मजबूत बनाने, युवा पीढ़ी को इतिहास और संस्कृति से जोड़ने तथा राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने का सामूहिक संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि महापुरुषों की स्मृतियां केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उनके विचारों को वर्तमान जीवन और सामाजिक व्यवस्था में भी उतारा जाना चाहिए।कार्यक्रम के अंत में सम्राट पृथ्वीराज चौहान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपस्थित जनसमूह ने उनके शौर्य, त्याग और राष्ट्रप्रेम को नमन किया। पूरे आयोजन में सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना, संगठनात्मक एकता और ऐतिहासिक गौरव का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने समाज को नई प्रेरणा और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान की।

● समाज की एकता और संगठन पर दिया गया बल

महासभा के संरक्षक देवी सिंह (सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक, रक्षा विभाग), दिल्ली प्रांतीय अध्यक्ष शंकर सिंह काबरा, कोटा शहर अध्यक्ष नरेंद्र सिंह कोट किराना तथा जयपुर जिला अध्यक्ष जवान सिंह देवल (फतेहपुर) सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि समाज के विकास और सशक्तिकरण के लिए संगठन की मजबूती आवश्यक है। महापुरुषों की जयंती केवल उत्सव नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का अवसर भी है।वक्ताओं ने युवाओं से नशामुक्ति, शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, महिला सम्मान और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आ''ान किया। साथ ही समाज में आपसी सहयोग, भाईचारे और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

● महापुरुषों के आदर्श समाज को देते हैं नई दिशा

समारोह को संबोधित करते हुए भारतीय रावत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह ने कहा कि किसी भी समाज की पहचान उसके इतिहास, संस्कृति और महापुरुषों से होती है। यदि नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत का ज्ञान होगा, तभी वह भविष्य का सशक्त निर्माण कर सकेगी। उन्होंने कहा कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान का जीवन साहस, आत्मसम्मान, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श आज भी समाज को प्रेरित करने की क्षमता रखते हैं।उन्होंने समाज के लोगों से आ''ान किया कि वे महापुरुषों के विचारों और जीवन संघर्षों को घर-घर तक पहुंचाएं तथा युवाओं को अपने इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए संगठित प्रयास करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संगठन, सामाजिक सद्भाव और संस्कार ही समाज की वास्तविक शक्ति हैं।

विकास आयुक्त सिद्धार्थ के निर्देशन एवं डीआईजी आनंद एवं मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी के कुशल नेतृत्व में संपादित हुई कार्रवाई

जयपुर विकास प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई: 3 बीघा भूमि पर बसाई जा रही अवैध कॉलोनी ध्वस्त

चमकता राजस्थान

जयपुर।(खलील कुरैशी) मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भ्रष्टाचार, अतिक्रमण एवं अनियमितताओं के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति तथा सुशासन के संकल्प के अनुरूप जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा अवैध निर्माणों और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जेडीए ने ग्राम वाटिका-सिमलिया रोड क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 3 बीघा कृषि भूमि पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया।जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के निर्देश पर प्रवर्तन दस्ते ने जोन-14 के अंतर्गत ग्राम वाटिका-सिमलिया रोड, जिला जयपुर स्थित खसरा संख्या 3211 में कार्रवाई को अंजाम दिया। यह भूमि निजी खातेदारी कृषि भूमि है, जहां बिना जेडीए की स्वीकृति एवं अनुमोदन तथा बिना भूमि रूपांतरण कराए अवैध रूप से कॉलोनी बसाने की तैयारी की जा रही थी।उप महानिरीक्षक पुलिस एवं प्रवर्तन प्रभारी आनंद शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में अवैध कॉलोनी विकसित किए जाने की सूचना मिलने पर राजस्व एवं तकनीकी टीम द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि भूमि को समतल कर मिट्टी-ग्रेवल की सड़कें बनाई गई थीं तथा टीनशेडनुमा कोठड़ी सहित अन्य निर्माण कर प्लॉटिंग की तैयारी की जा रही थी।

सूचना की पुष्टि होने के बाद जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीनों और श्रमिकों की सहायता से मौके पर पहुंचकर प्रारंभिक स्तर पर ही सभी अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को पूरी तरह विफल कर दिया गया।जेडीए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ध्वस्तीकरण अभियान पर हुए व्यय की वसूली नियमानुसार संबंधित व्यक्तियों से की जाएगी। कार्रवाई उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-14, प्रवर्तन दस्ते, लेबर गार्ड तथा जोन के राजस्व एवं तकनीकी स्टाफ की उपस्थिति में संपन्न की गई।जेडीए ने आमजन से अपील की है कि किसी भी भूखंड अथवा कॉलोनी में निवेश करने से पहले उसकी वैधानिक स्वीकृतियों एवं अनुमोदनों की जांच अवश्य कर लें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की आर्थिक हानि से बचा जा सके। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि अवैध कॉलोनियों एवं अतिक्रमणों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

हरियाणा विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) जोन-द्वितीय सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

विकसित भारत-2047 के लिए युवा शक्ति, जागरूक समाज और उत्तरदायी विधायकों की भूमिका अहम : देवनानी

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी), 09 जून।राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि विकसित भारत-2047 का लक्ष्य केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प है। भारत को आत्मनिर्भर, समृद्ध, समावेशी और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जागरूक समाज, उत्तरदायी जनप्रतिनिधियों और युवा शक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।देवनानी ने यह विचार चंडीगढ़ स्थित हरियाणा विधानसभा में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) जोन-द्वितीय सम्मेलन में ''विकसित भारत-2047 के लक्ष्यों एवं भावी चुनौतियों को साकार करने में जागरूक समाज एवं विधायकों की भूमिका'' विषय पर व्यक्त किए। विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचानाः- देवनानी उन्होंने कहा कि विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना, सामाजिक समरसता, सुशासन, तकनीकी नवाचार, पर्यावरणीय संतुलन और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती है। जलवायु परिवर्तन, तीव्र शहरीकरण, कौशल विकास, साइबर अपराध और वैश्विक अस्थिरता जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए नागरिक समाज और जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयास जरूरी हैं।देवनानी ने कहा कि वर्तमान समय में विधायकों को केवल स्थानीय समस्याओं तक सीमित न रहकर नीति-निर्माता, समाज सुधारक और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर सुरक्षा, ई-गवर्नेंस और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े प्रभावी एवं समकालीन कानूनों की आवश्यकता पर बल दिया राजस्थान विधानसभा के नवाचारों

का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि सदन को अधिक पारदर्शी, आधुनिक और जनोन्मुखी बनाने के लिए डिजिटल तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। कार्यवाही, प्रश्नोत्तर और विधायी दस्तावेजों को ऑनलाइन उपलब्ध कराकर पेपरलेस व्यवस्था को मजबूत किया गया है। साथ ही जन-दर्शन, युवा संसद और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता और युवाओं से जोड़ा जा रहा है।उन्होंने कहा कि भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी ताकत है। स्टार्टअप, डिजिटल अर्थव्यवस्था, अनुसंधान, नवाचार और खेल जगत में युवाओं की उपलब्धियां विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। युवाओं को अवसर, संसाधन और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को और सशक्त बनाया जा सकता है।

जागरूक समाज की ऊर्जा, विधायकों का उत्तरदायी नेतृत्व और युवाओं का नवाचार भारत को विश्व गुरु बनाने में सहायकः- देवनानी देवनानी ने विश्वास व्यक्त किया कि जागरूक समाज की ऊर्जा, विधायकों का उत्तरदायी नेतृत्व और युवाओं का नवाचार एक साथ मिलकर वर्ष 2047 तक भारत को विश्वगुरु और पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। ये वरिष्ठ गणमान्यजन एवं महामहिम रहें मौजूद सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण सहित विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष, विधायक एवं अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के निर्देशनःएडीजी दिनेश एम.एन.के मार्गदर्शन एवं आईजी विकास कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई

चमकता राजस्थान

जयपुर(खलील कुरैशी) 9 जून। राजस्थान में नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे व्यापक अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) ने बीकानेर, श्रीगंगानगर और जयपुर में तीन अलग-अलग सफल कार्रवाई करते हुए 5 तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान 19.5 किलोग्राम डोडा-चूरा, 60 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), 125 ग्राम गांजा, 17,800 रुपये नकद तथा तस्करी में प्रयुक्त दो वाहन जब्त किए गए।पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में प्रदेशभर में नशे के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए चलाए जा रहे अभियान को एडीजी अपराध एवं एएनटीएफ दिनेश एम.एन. के मार्गदर्शन तथा आईजी एएनटीएफ विकास कुमार के नेतृत्व में लगातार प्रभावी सफलता मिल रही है।
आईजी विकास कुमार ने कहा कि नशा तस्करों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

तृतीय कार्रवाई छायाचित्रः–

प्रथम कार्रवाई छायाचित्रः–

द्वितीय कार्रवाई छायाचित्रः–

- **ANTF का नशा तस्करों पर बड़ा प्रहारः तीन जिलों में 5 तस्कर गिरफ्तार**
- **डोडा-चूरा, हेरोइन, गांजा और नकदी बरामद,नशा तस्करों पर कसा शिकंजा**

● स्थानीय पुलिस और एएनटीएफ का प्रभावी समन्वय

इन तीनों सफल अभियानों में गजनेर थाना (बीकानेर), जवाहर नगर थाना (श्रीगंगानगर) और करणी विहार थाना (जयपुर) पुलिस का उल्लेखनीय सहयोग रहा। एएनटीएफ मुख्यालय ने उत्कृष्ट कार्रवाई करने वाली टीमों को सम्मानित करने की घोषणा की है।
आई जी विकास कुमार जनता से सहयोग की अपील आईजी विकास कुमार ने आमजन से अपील की है कि नशा तस्करों एवं अन्य अवैध गतिविधियों की सूचना व्हाट्सएप नंबर 9261225056 अथवा हेल्पलाइन 0141-2502877 पर दें। सूचना देने वाले की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

● प्रदेश में नशे के खिलाफ निर्णायक अभियान

राजस्थान पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार पर लगातार की जा रही सख्त कार्रवाई यह स्पष्ट संकेत है कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले तस्करों के विरुद्ध कानून का शिकंजा लगातार कसता रहेगा। ANTF की यह कार्रवाई प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

● श्रीगंगानगर में पंजाब से आ रही कार से हेरोइन बरामद

जवाहर नगर थाना क्षेत्र में साधुवाली चेक पोस्ट पर की गई नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध कार की तलाशी ली गई। जांच में कार से 60 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई। पुलिस ने कार जब्त कर गुरप्रीत सिंह और सुखदीप सिंह को गिरफ्तार किया।

● जयपुर में महिला तस्कर गिरफ्तार

करणी विहार थाना क्षेत्र में एएनटीएफ ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके कब्जे से 125 ग्राम गांजा तथा नशे के कारोबार से अर्जित 17,800 रुपये नकद बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुनीता सांसी के रूप में हुई है।

● श्रीगंगानगर में पंजाब से आ रही कार से हेरोइन बरामद

जवाहर नगर थाना क्षेत्र में साधुवाली चेक पोस्ट पर की गई नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध कार की तलाशी ली गई। जांच में कार से 60 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई। पुलिस ने कार जब्त कर गुरप्रीत सिंह और सुखदीप सिंह को गिरफ्तार किया।

● बीकानेर में पीछा कर दबोचे तस्करःः19.5 किलो डोडा-चूरा बरामद

गजनेर थाना क्षेत्र में एएनटीएफ और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को घेराबंदी कर पकड़ा। पुलिस को देखकर आरोपी खेतों की ओर भागने लगे, लेकिन टीम ने उनका पीछा कर उन्हें दबोच लिया। तलाशी में मोटरसाइकिल पर रखे कट्टे से 19.5 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद हुआ। इस मामले में विक्की सिंधी एवं देवीलाल नायक को गिरफ्तार किया गया।

रैवाना में पटवारी धर्म सिंह 4500 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

- **सीमांकन कार्य और नामांतरण के बदले मांगी थी रिश्वत, एसीबी की ट्रैप कार्रवाई में पकड़ा गया आरोपी**

चमकता राजस्थान/जयपुर/नीमराणा (खलील कुरैशी)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कोटपूतली-बहरोड़ जिले की तहसील नीमराणा के ग्राम रैवाना में बड़ी कार्रवाई करते हुए पटवारी धर्म सिंह को 4500 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्तमान में पटवार हल्का दौसौद में पदस्थापित है तथा पटवार हल्का रैवाना का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहा था।एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी जयपुर नगर तृतीय द्वारा की गई इस कार्रवाई में आरोपी को परिवादी से रिश्वत राशि स्वीकार करते हुए पकड़ा गया। एसीबी के अनुसार परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी ग्राम तलवाना स्थित भूमि के संबंध में पूर्व में कराए गए नामांतरण तथा हाल ही में किए गए सीमांकन आवेदन के कार्य के बदले पटवारी धर्म सिंह लगातार रिश्वत की मांग कर रहा था।

शिकायत के अनुसार परिवादी की खाता संख्या 287, खसरा संख्या 328 की भूमि में अक्टूबर 2025 में बहनों का हक त्याग कराया गया था, जिसके बदले आरोपी ने 10 हजार रुपये की मांग की थी। बाद में 22 मई 2026 को भूमि सीमांकन के लिए आवेदन करने पर पटवारी ने सीमांकन कार्य के लिए 10 हजार रुपये तथा पूर्व नामांतरण कार्य के लिए 5 हजार रुपये की अतिरिक्त मांग की।एसीबी द्वारा शिकायत का सत्यापन कराया गया, जिसमें आरोपी द्वारा रिश्वत मांगने के आरोप सही पाए गए। सत्यापन के दौरान आरोपी ने 5 हजार रुपये की मांग को घटाकर 4500 रुपये लेने पर सहमति व्यक्त की। इसके बाद एसीबी ने योजनाबद्ध ट्रैप कार्रवाई कर आरोपी को रिश्वत राशि लेते हुए पकड़ लिया।यह कार्रवाई एसीबी उप महानिरीक्षक (द्वितीय) ओमप्रकाश मीणा के सुपरविजन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अंजाम दी गई। ट्रैप के दौरान उपाधीक्षक पुलिस एवं अन्य अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।एसीबी ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

प्रोफेसर डॉ. टेकचंद शर्मा का शाहपुरा में अभिनंदन

- **सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शिक्षाविदों ने किया स्वागतःविद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन दिया**

चमकता राजस्थान/शाहपुरा (खलील कुरैशी)। शहर के वार्ड संख्या 18 स्थित महिला कॉलेज के सामने मंगलवार को सुबोध महिला विद्यालय, रामबाग जयपुर के रसायन शास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ. टेकचंद शर्मा के शाहपुरा आगमन पर सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शिक्षाविदों द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।
इस अवसर पर बाबा गंगादास महिला महाविद्यालय के सहायक आचार्य प्रो. प्रकाश चंद ढबास, एससी-एसटी महासंगठन के विधानसभा अध्यक्ष राजेश मंडोवरा तथा पूर्व पार्षद अनिल कुमार नरवल ने डॉ. शर्मा को गुलदस्ता, दुपट्टा एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।कार्यक्रम के दौरान डॉ. टेकचंद शर्मा ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए रसायन शास्त्र विषय में उपलब्ध रोजगार एवं शोध संबंधी अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने, प्रयोगात्मक अध्ययन पर विशेष ध्यान देने तथा उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही रसायन शास्त्र के प्रायोगिक कार्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रयोगशाला आधारित शिक्षा विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।इस अवसर पर वरिष्ठ संरक्षक सांवरमल बीवाल, संरक्षक अध्यापक बंशीधर खटावलिया, सेवानिवृत्त अध्यापक बनवारी लाल चोपड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ तथा उपस्थित लोगों ने शिक्षा, विज्ञान और समाज के विकास में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की समीक्षा, शहरी विकास, जल सुरक्षा, हरित ऊर्जा एवं आजीविका संवर्द्धन पर जोर

विकसित राजस्थान@2047 के अनुरूप समयबद्ध पूर्ण हों सभी परियोजनाएं : मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 9 जून। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शासन सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में एडीबी, विश्व बैंक, जाईका, न्यू डेवलपमेंट बैंक सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं के सहयोग से संचालित बा' सहायता प्राप्त परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं 'विकसित राजस्थान@2047' के लक्ष्यों के अनुरूप निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण की जाएं उन्होंने वित्त, जल संसाधन, ऊर्जा, वन, सार्वजनिक निर्माण एवं स्वायत्त शासन विभागों की 11 प्रमुख परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का आकलन करते हुए परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग, डेटा विश्लेषण, गुणवत्ता परीक्षण तथा विलंबित कार्यों की विशेष समीक्षा के निर्देश दिए। साथ ही ईएपी सेल को और अधिक सशक्त बनाने तथा विषय विशेषज्ञों को शामिल करने पर बल दिया।बैठक में राजस्थान अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम एवं राजस्थान सेकेंडरी टाउन डेवलपमेंट सेक्टर प्रोजेक्ट के लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण करने, शहरों में जलापूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ करने, नॉन-रेवेन्यू वाटर कम करने तथा जीआईएस आधारित आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया गया।जल संसाधन क्षेत्र में जाईका समर्थित राजस्थान वाटर सेक्टर लाइवलीहुड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट, बांध पुनर्वास एवं सुधार परियोजना तथा ग्रामीण पेयजल एवं फ्लोरोसिस निवारण परियोजना की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने इंदिरा गांधी नहर परियोजना के सुदृढ़ीकरण एवं रिलाइनिंग कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इससे लगभग 650 क्यूसेक जल की छीजत रोकने में सफलता मिली है।ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर प्रोजेक्ट-ckk की समीक्षा के दौरान उन्होंने राइट ऑफ वे एवं वैधानिक स्वीकृतियों से जुड़े मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं वन विभाग की परियोजनाओं में डिजी-वन फॉरेस्ट स्टैक जैसे तकनीकी नवाचारों की सराहना करते हुए वनीकरण, जैव विविधता संरक्षण एवं रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देने को कहा।मुख्य सचिव ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं की रैंकिंग एवं मूल्यांकन का नियमित विश्लेषण करने, केंद्र सरकार एवं वित्तीय संस्थाओं के साथ प्रभावी समन्वय बनाए रखने तथा लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि राज्य की विकास परियोजनाएं समयबद्ध, परिणामोन्मुखी और जनहितकारी रूप से पूर्ण हो सकें।

10 जून को प्रदेशभर में विशेष पूजा-अर्चना व नारी चौपाल

- **12 जून से सेवा शिविर अभियान शुरूः- वी. श्रीनिवासन**

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना के लिए 10 जून को राजस्थानभर में विशेष पूजा-अर्चना एवं मंगलकामना कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी दिन जिला एवं ब्लॉक स्तर पर नारी चौपालों का आयोजन भी होगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा कर सभी जिला कलेक्टरों एवं संभागीय आयुक्तों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने बताया कि जिला एवं उपखंड स्तर पर सुबह 8 बजे स्थानीय मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होगी, जिसमें साधु-संतों, जनप्रतिनिधियों और आमजन की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। नारी चौपालों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर रहेगा। कार्यक्रमों में बाल विवाह रोकथाम, साइबर सुरक्षा, एनीमिया नियंत्रण, लिंगानुपात सुधार, सर्वाइकल कैंसर जागरूकता एवं टीकाकरण जैसे विषयों पर जागरूकता गतिविधियां, नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।बैठक में मुख्य सचिव ने बताया कि 12 जून से 15 जुलाई तक प्रदेशभर में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर अभियान संचालित होगा। इन शिविरों में आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाएगा तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार, दैनिक वीडियोग्राफी-फोटोग्राफी और नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।शहरी सेवा शिविरों में पट्टा प्रकरणों के निस्तारण, सफाई व्यवस्था, सड़क एवं नाली मरम्मत, स्ट्रीट लाइट, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन सहित विभिन्न नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं ग्रामीण सेवा शिविरों में राजस्व अभिलेखों का शुद्धिकरण, खातेदारी संबंधी कार्य, रास्ता विवादों का समाधान, भू-अतिक्रमण हटाने तथा अन्य राजस्व प्रकरणों के निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।मुख्य सचिव ने कहा कि यह अभियान प्रशासन को आमजन के द्वार तक पहुंचाकर समस्याओं के त्वरित समाधान और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सुशासन के 12 वर्ष : राजस्थान के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना आज

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर प्रदेशभर में होंगे विशेष धार्मिक आयोजनः- देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत**

चमकता राजस्थान/जयपुर, 9 जून (खलील कुरैशी)। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 10 जून को राजस्थान के प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, आरती एवं प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं राष्ट्र की समृद्धि की कामना की जाएगी।
देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने शासन सचिवालय में समीक्षा बैठक लेकर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश, जिला एवं उपखंड स्तर के प्रमुख मंदिरों में कार्यक्रमों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने, जनभागीदारी बढ़ाने तथा सभी आयोजनों की प्रभावी निगरानी के निर्देश दिए।

● मोती डूंगरी मंदिर में होगा राज्य स्तरीय आयोजन

राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर में आयोजित होगा, जहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विशेष पूजा-अर्चना करेंगे। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, सांसद एवं जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। वहीं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत सुमेरपुर स्थित जोधेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

● श्रद्धालुओं की सुविधा पर विशेष जोर

मंत्री कुमावत ने गर्मी के मौसम को देखते हुए मंदिरों में पेयजल, छाया, स्वच्छता एवं सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन आयोजनों में आमजन, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।प्रदेशभर में आयोजित होने वाले ये धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा, जनभागीदारी और सुशासन के 12 वर्षों की उपलब्धियों के प्रतीक के रूप में आयोजित किए जाएंगे।

प्रतापगढ़ पुलिस का ब्याज माफियाओं पर लगातार दूसरा बड़ा प्रहार

24 घंटे में दूसरे सूदखोर पर कार्रवाई, 32 तोला सोना, 47.5 किलो चांदी और 28 वाहन जब्त

चमकता राजस्थान

जयपुर/प्रतापगढ़ (खलील कुरैशी)। प्रतापगढ़ पुलिस ने जिले में सक्रिय ब्याज माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लगातार दूसरे दिन बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध सूदखोरी के नेटवर्क पर करारा प्रहार किया है। भणावता गांव में कथित सूदखोर भगवानलाल प्रजापत के ठिकानों पर की गई दबिश में भारी मात्रा में सोना-चांदी, वाहन, कृषि उपकरण तथा वित्तीय लेन-देन से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं।जिला पुलिस अधीक्षक बी.के. आदित्य के नेतृत्व में चल रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेन्द्रसिंह जोधा एवं वृत्ताधिकारी नानालाल सालवी के मार्गदर्शन में प्रोबेशनर आरपीएस राहुल गोयल तथा केसरियावाद थाना पुलिस ने यह कार्रवाई अंजाम दी। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व भी पुलिस ने एक अन्य ब्याजखोर के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की थी। लगातार दो दिनों में हुई इन कार्रवाइयों से जिले में सक्रिय सूदखोरों और ब्याज माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

● दबिश में मिला संपत्तियों का बड़ा जखीरा

पुलिस तलाशी के दौरान 32 तोला सोना, 47 किलो 500 ग्राम चांदी, 14 मोटरसाइकिल, एक स्कूटी, चार लग्जरी वाहन, दो पिकअप, एक टैम्पो और छह ट्रैक्टर बरामद करने में सफल रही। इसके अतिरिक्त चार थ्रेशर मशीन, तीन सीड ड्रिल, मोरप्लो, कल्टीवेटर सहित विभिन्न कृषि उपकरण भी जब्त किए गए।

● खाली चेक और स्टाम्प पेपरों के जरिए होता था शोषण

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 67 स्टाम्प पेपर, 19 हस्ताक्षरित चेक, बैंक पासबुक, बहीखाते, इकरारनामे, एटीएम कार्ड तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ग्रामीणों और जरूरतमंद लोगों को ऊंची ब्याज दरों पर ऋण देकर उनके आभूषण, वाहन और कृषि उपकरण गिरवी रखे जाते थे तथा बाद में मनमाने तरीके से ब्याज वसूला जाता था।

● आर्थिक शोषण के खिलाफ सख्त अभियान

एसपी बी.के. आदित्य ने कहा कि गरीब, किसानों और जरूरतमंद लोगों का आर्थिक शोषण करने वाले ब्याज माफियाओं के खिलाफ प्रतापगढ़ पुलिस का अभियान आगे भी जारी रहेगा। अवैध ब्याज वसूली, गिरवी संपत्तियों के दुरुपयोग और धमकाकर वसूली जैसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।लगातार दो दिनों में हुई बड़ी कार्रवाइयों ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रतापगढ़ पुलिस जिले में जड़ें जमा चुके संगठित ब्याजखोरी नेटवर्क को समाप्त करने के लिए पूरी दृढ़ता और प्रतिबद्धता के साथ अभियान चला रही है, जिससे आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय का वातावरण मजबूत हुआ है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संपन्न की गिरिराज धरण की सप्तकोसीय परिक्रमा

श्रीनाथ जी एवं मुकुट मुखारविंद मंदिर में पूजा-अर्चना, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी), 09 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने दो दिवसीय डीग प्रवास के दौरान श्रद्धा, आस्था और भक्तिभाव के साथ गिरिराज धरण (गोवर्धन पर्वत) की लगभग 21 किलोमीटर लंबी सप्तकोसीय परिक्रमा संपन्न की। मुख्यमंत्री ने सपत्नीक पूंछरी का लौठा स्थित श्रीनाथ जी मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की।परिक्रमा के दौरान मुख्यमंत्री ने मुकुट मुखारविंद मंदिर की तलहटी में दुग्ध एवं जलाभिषेक कर गिरिराज जी की विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर विकास के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने सोमवार शाम परिक्रमा प्रारंभ की थी, जो मंगलवार प्रातः लगभग 4 बजे पूर्ण हुई।परिक्रमा उपरांत मुख्यमंत्री श्रीनाथ जी मंदिर परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने संत-महात्माओं, स्थानीय नागरिकों और विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं को अपने हाथों से प्रसादी वितरित की। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से आत्मीय संवाद कर उनकी कुशलक्षेम जानी तथा यात्रा मार्ग पर उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री की सहजता और आमजन से निकटता ने श्रद्धालुओं के बीच विशेष उत्साह का वातावरण बनाया।

श्रद्धालुओं के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री, प्रसादी वितरित कर जाना कुशलक्षेम

विकास कार्यों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए निर्देश

डीग प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने भरतपुर एवं डीग जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने, विकास परियोजनाओं में तेजी लाने तथा आमजन को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, विधायक डॉ. शैलेष सिंह, बहादुर सिंह कोली सहित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री का यह दौरा धार्मिक आस्था, जनसंपर्क और विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रभावी संदेश देने वाला रहा।

संक्षिप्त समाचार

पांचना बांध विवादः खंडीप धरने को मिला पिलोदा गांव का भारी समर्थन, किसानों ने कहा- 'पानी मिलने तक जारी रहेगा संघर्ष

चमकता राजस्थान/खंडीप (गंगापुर सिटी/करौली क्षेत्र)/ रामसिंह मीणा। पाँचना बाँध से कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी छोड़ने की मांग को लेकर खंडीप गाँव में चल रहा किसानों का धरना अब एक बड़े जन-आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। रिपोर्टर रामसिंह मीणा के अनुसार, आंदोलन को उस वक्त और बड़ी मजबूती मिली, जब पिलोदा गाँव से बड़ी संख्या में किसान, युवा, पंच-पटेल और ग्रामीण साथी खंडीप धरना स्थल पर पहुँचे और अपना पूर्ण समर्थन दिया।

पिलोदा से उमड़ा जनसैलाब, बढ़ी आंदोलन की ताकत

धरना स्थल पर पिलोदा से आए ग्रामीणों और पंच-पटेलों का आंदोलनकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर किसान नेताओं ने कहा कि पिलोदा गाँव से मिला यह भारी समर्थन इस बात का प्रतीक है कि पानी की यह मांग सिर्फ किसी एक गाँव की नहीं, बल्कि पूरे कमांड क्षेत्र के किसानों के अस्तित्व की लड़ाई है।

₹पिलोदा गाँव के भाइयों, युवाओं और बुजुर्गों का यह सहयोग हमारी न्यायोचित मांग को और अधिक मजबूती प्रदान करता है। किसानों के हक की इस लड़ाई में आपका यह साथ ही हमारा असली संबल (ताकत) है।

– आंदोलनकारी किसान प्रतिनिधि

- **क्या है मुख्य मांग?**

किसानों की एकमात्र और स्पष्ट मांग है कि पाँचना बाँध से कमांड क्षेत्र की नहरों में तुरंत पानी छोड़ा जाए। पिछले लंबे समय से पानी न मिलने के कारण क्षेत्र के किसानों को खेती-बाड़ी और सिंचाई में भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

- **जब तक पानी नहीं, तब तक पीछे नहीं हटेंगे**

धरना स्थल पर हुई किसान महापंचायत में वक्ताओं ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि प्रशासन और सरकार किसानों के धैर्य की परीक्षा न ले। युवाओं और पंच-पटेलों ने हुंकार भरते हुए कहा कि जब तक नहरों में पानी नहीं छोड़ा जाता, तब तक यह संघर्ष और धरना अनवरत जारी रहेगा। आंदोलन को और उग्र करने की रणनीति भी बनाई जा रही है।

महान आदिवासी वीर बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर आयोजित हुई भावभीनी श्रद्धांजलि सभा,

- **महापुरुषों के आदर्शों और उच्च मानवीय मूल्यों को जीवन में आत्मसात करना चाहिएः मंडोवरा**

चमकता राजस्थान/शाहपुरा (खलील कुरैशी)। महान आदिवासी जननायक, स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि मंगलवार को शाहपुरा के मुख्य बस स्टैंड पर एससी-एसटी महा संगठन के तत्वावधान में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम वरिष्ठ संरक्षक सावरमल बीवाल के मुख्य आतिथ्य तथा संगठन अध्यक्ष राजेश मंडोवरा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।कार्यक्रम में वक्ताओं ने बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके संघर्षमय जीवन, सामाजिक चेतना और जनजातीय समाज के उत्थान में दिए गए योगदान को स्मरण किया। संगठन के संरक्षक बशीधर खटावलिया, सेवानिवृत्त अध्यापक बनवारीलाल चौपड़ा, ओमप्रकाश भड़ाना एवं नंदू चावला ने कहा कि बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया तथा शोषण और अन्याय के विरुद्ध जनजागरण का अभियान चलाया। उनका जीवन आज भी समाज को अधिकारों, स्वाभिमान और सामाजिक न्याय के लिए प्रेरित करता है।अध्यक्षीय उद्बोधन में राजेश मंडोवरा ने कहा कि बिरसा मुंडा के आदर्श, त्याग और संघर्ष की भावना को आत्मसात कर समाज के उत्थान एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देना चाहिए। उन्होंने युवाओं से महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर सामाजिक एकता और जागरूकता को मजबूत करने का आ''ान किया।इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि एडवोकेट सोहनलाल नैनावत, समाजसेवी हीरालाल धानका, युवा नेता ओमप्रकाश धानका, वार्ड अध्यक्ष सीताराम मेहरा, युवा गुर्जर महासभा अध्यक्ष श्रीराम गिराटी, अजय कुमार नायक सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं संगठन पदाधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलने तथा समाज में शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ।

श्रद्धालुओं के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री, प्रसादी वितरित कर जाना कुशलक्षेम

जयपुर के खो नागोरीयान में अग्निकांडः अवैध पटाखा गोदाम में आग से 8 की मौत, पुलिस-प्रशासन की निगरानी पर उठे सवाल

गोदाम अवैध रूप से संचालित हो रहा था और इसके संचालकों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई : सचिन मित्तल

चमकता राजस्थान

जयपुर।(खलील कुरैशी) राजधानी जयपुर के खोह नागोरियान थाना क्षेत्र स्थित आयशा नगर तलाई के रिहायशी इलाके में संचालित एक अवैध पटाखा गोदाम में भीषण आग लगने से 8 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए। इस दर्दनाक हादसे ने अवैध रूप से संचालित खतरनाक गोदामों और स्थानीय स्तर पर निगरानी व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घनी आबादी वाले क्षेत्र में पटाखों और ज्वलनशील सामग्री का भंडारण किया जा रहा था। आग लगते ही गोदाम में लगातार धमाके होने लगे, जिससे अफरा-तफरी मच गई। दमकल, सिविल डिफेंस, पुलिस और प्रशासन की टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया तथा राहत-बचाव कार्य चलाया।

गोदाम अवैध रूप से संचालित हो रहा था और इसके संचालकों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाईः सचिन मित्तल

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने स्पष्ट किया कि गोदाम अवैध रूप से संचालित हो रहा था और इसके संचालकों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जांच में यदि किसी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी कार्रवाई होगी। एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और गोदाम को सील कर दिया गया है।हादसे के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि रिहायशी क्षेत्र में बिना वैध अनुमति के संचालित हो रहे पटाखा गोदाम की जानकारी स्थानीय पुलिस और संबंधित विभागों को क्यों नहीं थी, अथवा जानकारी होने के बावजूद समय पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई। क्षेत्र में लंबे समय से संचालित इस अवैध गतिविधि ने स्थानीय निगरानी तंत्र की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।विधायक अमीन कागजी ने भी मामले में मिलीभगत की आशंका जताते हुए कहा कि बिना प्रशासनिक और स्थानीय स्तर की अनदेखी के ऐसा अवैध गोदाम संचालित होना संभव नहीं है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और टीकाराम जूली ने जताया दुःख

» मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देने, घायलों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता देने के निर्देश दिए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया है।

अग्निकांड घटनाक्रम के प्रमुख बिंदु

» खोह नागोरियान क्षेत्र के रिहायशी इलाके में अवैध पटाखा गोदाम में आग।हादसे में 8 मजदूरों की मौत, कई घायल। गोदाम में ज्वलनशील सामग्री का अवैध भंडारण।पुलिस ने गोदाम सील किया, एफएसएल जांच जारी।गोदाम संचालक की गंभीर लापरवाही और कानून उल्लंघन उजागर।स्थानीय पुलिस एवं निगरानी तंत्र की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल।दोषियों और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के संकेत। यह हादसा केवल एक अग्निकांड नहीं, बल्कि अवैध कारोबार, सुरक्षा मानकों की अनदेखी और स्थानीय स्तर पर प्रभावी निगरानी के अभाव की दुखद परिणति के रूप में सामने आया है।

हज मुबारक 2026 मुकम्मल कर वतन वापसी पर हाजी जनरल तारीक का पुरखुलूस और शानदार इस्तकबाल

हज इस्लाम के पाँच बुनियादी अरकान में से एक अहम रुक्नः- पत्रकार खलील कुरैशी

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) अल्लाह तआला के फ़ज़्लो-करम से मुक़द्दस हज मुबारक 2026 की सआदतमंद यात्रा मुकम्मल कर वतन लौटने पर आदर्श नगर निवासी युवा समाजसेवी हाजी जनरल तारीक एवं उनकी अहलिया हज्जन शाहिस्ता खान का साथियों, अकीदतमंदों और शुभचिंतकों द्वारा अत्यंत गर्मजोशी, मोहब्बत और अकीदत के साथ भव्य इस्तकबाल किया गया।

- **इस्तकबाल कार्यक्रम में रहे प्रमुख रूप से उपस्थित**

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक दैनिक चमकता राजस्थान खलील कुरैशी, हनीश पठान (आमेर), निसार कुरैशी, अज़ीज़ भाई, सीराज बॉक्सर, पत्रकार नईम खान सहित अनेक गणमान्य नागरिक, मित्रगण एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में हाजी जनरल तारीक की हज यात्रा की कुबूलियत, उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन तथा देश में अमन, सौहार्द और खुशहाली के लिए सामूहिक दुआ की गई। उपस्थित जनों ने कहा कि हज का संदेश इंसानियत, भाईचारे, त्याग, सेवा और अल्लाह की बंदगी का संदेश है, जिसे समाज में आगे बढ़ाना समय की आवश्यकता है।

हज इस्लाम के पाँच बुनियादी अरकान में से एक अहम रुक्नः- पत्रकार खलील कुरैशी

हज इस्लाम के पाँच बुनियादी अरकान में से एक अहम रुक्न है और हर मुसलमान की यह तमन्ना होती है कि उसे बैतुल्लाह शरीफ़ और रौज़ा-ए-रसूल की हाज़िरी की सआदत नसीब हो। हाजी जनरल तारीक और उनकी अहलिया ने अल्लाह के घर की हाज़िरी देकर हज के तमाम अरकान अदा किए तथा उम्मत-ए-मुस्लिमा, मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे, तरक्की और इंसानियत की भलाई के लिए खुसूसी दुआएँ कीं।

वतन वापसी पर आयोजित इस्तकबाल कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने हाजी जनरल तारीक को गले लगाकर ₹हज मुबारक₹ की मुबारकबाद पेश की। इस दौरान माल्यार्पण कर उनका सम्मान किया गया तथा उनसे दुआओं की दरख्वास्त की गई। कार्यक्रम का माहौल रूहानी जज़्बे, मोहब्बत, भाईचारे और खुशी से सराबोर रहा।गौरतलब है कि हाजी जनरल तारीक 21 अप्रैल 2026 को 428 हाजियों के काफिले के साथ हज यात्रा के लिए रवाना हुए थे। उन्होंने मक्का मुकर्रमा और मदीना मुनव्वरा में इबादतों के साथ हज के सभी फ़र्ज़, वाजिब और सुन्नत अरकान अदा कर मुक़द्दस सफर को कामयाबी से मुकम्मल किया तथा 6 जून 2026 को सकुशल वतन वापसी की।हाजी जनरल तारीक ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हज का सफर इंसान को सब्र, इख़लास, तक़वा, इंसानियत और अल्लाह की इबादत के प्रति समर्पण का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि दुनिया भर से आए लाखों मुसलमानों के बीच एकता, समानता और भाईचारे का जो दृश्य देखने को मिला, वह पूरी इंसानियत के लिए प्रेरणादायक है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से की शिष्टाचार भेंट

- **लोकतांत्रिक मूल्यों, सांस्कृतिक विरासत और जनसेवा के विषयों पर हुई सार्थक चर्चा**

चमकता राजस्थान/जयपुर/चंडीगढ़। (खलील कुरैशी) 09 जून। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चंडीगढ़ प्रवास के दौरान मंगलवार को लोक भवन, पंजाब में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर देवनानी ने राज्यपाल कटारिया का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा राजस्थान विधानसभा का स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मान व्यक्त किया।भेंटवार्ता के दौरान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने राज्यपाल को राजस्थान विधानसभा भवन के विभिन्न द्वारों के नामकरण की अभिनव अवधारणा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि विधानसभा के प्रमुख प्रवेश द्वारों को कर्तव्य द्वार, शक्ति द्वार, सुशासन द्वार, संकल्प द्वार और शौर्य द्वार नाम देकर लोकतंत्र के आदर्शों, जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारियों और सुशासन के मूल्यों को प्रतीकात्मक रूप से अभिव्यक्त किया गया है।देवनानी ने यह भी जानकारी दी कि विधानसभा भवन के बाहरी द्वारों को राजस्थान के प्रमुख सांस्कृतिक अंचलों बृज, शेखावाटी, वागड़, हाड़ौती, मारवाड़, मेवाड़, मेरवाड़ा और ढूंढाड़ के नाम समर्पित किया गया है, जिससे राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और क्षेत्रीय गौरव को लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ा जा सके।राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनभावनाओं और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी कदम बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार नागरिकों में लोकतंत्र के प्रति आत्मीयता, सहभागिता और गौरव की भावना को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर दोनों वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों के बीच समसामयिक विषयों, लोकतांत्रिक परंपराओं, सुशासन तथा जनसेवा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर आत्मीय एवं सार्थक चर्चा हुई। देवनानी ने राज्यपाल कटारिया के दीर्घ सार्वजनिक जीवन, प्रशासनिक अनुभव तथा समाज और राष्ट्र के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान की भी सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

खैरथल-तिजारा में खाद्य सुरक्षा अभियान का असर: 48 में से 11 नमूने फेल, कारोबारियों पर 9.30 लाख का जुर्माना

चमकता राजस्थान/पत्रकार कश्मीर सिंह/खैरथल-तिजारा। जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। जनवरी 2026 से मई 2026 के बीच लिए गए 48 खाद्य नमूनों में से 11 नमूने निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। जांच में कुछ नमूने असुरक्षित (Unsafe Food) तथा कुछ अवमानक (Sub-standard) पाए गए। वहीं पुराने मामलों में एडीएम कोर्ट द्वारा विभिन्न खाद्य कारोबारियों पर कुल 9 लाख 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा डॉ. टी. शुभमंगला, आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग, जयपुर के निर्देशानुसार जिलेभर के विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य नमूने लेकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए थे।

जांच रिपोर्ट के अनुसार भिवाड़ी स्थित हरियाणा पनीर डेयरी, मोंईन स्वीट्स (गुर्जर रंजला, मेवात), देव बेकरी (मनसा चौक, भिवाड़ी) तथा टपूकड़ा स्थित आरजे-40 रेस्टोरेंट के पनीर के नमूने असुरक्षित पाए गए। वहीं आरजे-40 रेस्टोरेंट का दही, डी-मार्ट भिवाड़ी की हींग तथा जोधपुर मिष्ठान भंडार खैरथल की मावा मिठाई अवमानक श्रेणी में पाई गई। इसके अलावा अन्य कुछ नमूने भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिले। खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बताया कि विभाग द्वारा पूर्व में दर्ज प्रकरणों की सुनवाई के बाद एडीएम कोर्ट ने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर कुल 9.30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इनमें तिजारा, भिवाड़ी, मुंडावर, कोटकासिम, हरसौली और खैरथल क्षेत्र के कई प्रतिष्ठान शामिल हैं। सर्वाधिक

भूतेश्वर महादेव मंदिर, बसेड़ी में किसान गोष्ठी का आयोजन, आधुनिक कृषि तकनीकों पर हुआ मंथन

चमकता राजस्थान/अनिल शेखर/जयपुर। क्षेत्र के प्रसिद्ध भूतेश्वर महादेव मंदिर परिसर में संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार प्रभुदयाल शर्मा की अध्यक्षता में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा उन्नत खेती के तरीकों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों का उपयोग समय की आवश्यकता है। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर खेती करने, गुणवत्तायुक्त बीजों का चयन करने तथा जल संरक्षण एवं संतुलित उर्वरक प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने का आ''ान किया। संयुक्त निदेशक ने राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित कृषि कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों से इनका अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। गोष्ठी में कृषि विशेषज्ञों ने फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि, कीट एवं रोग प्रबंधन, उन्नत बीजों के उपयोग तथा कृषि यंत्रीकरण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। किसानों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विशेषज्ञों ने उन्हें कृषि उत्पादन बढ़ाने के प्रभावी उपाय भी बताए। इस अवसर पर उपस्थित किसानों ने खेती से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों को अधिकारियों के समक्ष रखा, जिनका सकारात्मक समाधान करने का आश्वासन दिया गया। किसानों ने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित करने की आवश्यकता भी व्यक्त की।

निराश्रित बालिका को मिला नया परिवार, दत्तक ग्रहण से बदली जिंदगी

चमकता राजस्थान/ कयूम खान जालौर। बाल अधिकारिता विभाग के अंतर्गत संचालित राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण एजेंसी जालौर की ओर से एक सराहनीय पहल करते हुए निराश्रित बालिका को विधिक प्रक्रिया के तहत नया परिवार उपलब्ध कराया गया।

जिला मजिस्ट्रेट जालौर की उपस्थिति में भावी माता-पिता को बालिका का औपचारिक दत्तक ग्रहण करवाया गया। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक राजीव सुथार, एजेंसी की अधीक्षक मोहर कंवर, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश मीणा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। पारदर्शी और सुरक्षित प्रक्रिया अधिकारियों ने बताया कि दत्तक ग्रहण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन एवं विधिक प्रावधानों के अनुसार पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई, ताकि बच्चे को सुरक्षित और स्नेहपूर्ण पारिवारिक वातावरण मिल सके। भावुक पल का बना गवाह लंबे समय से संतान सुख की प्रतीक्षा कर रहे दंपति को बालिका सौंपे जाने के दौरान भावुक माहौल देखने को मिला। नए माता-पिता ने बालिका को बेहतर शिक्षा, परवरिश और सुरक्षित भविष्य देने का संकल्प लिया। विभाग की अपील बाल संरक्षण इकाई ने आमजन से अपील की है कि नवजात या बेसहारा बच्चों को असुरक्षित स्थानों पर न छोड़ें। यदि कोई व्यक्ति बच्चे का पालन-पोषण करने में असमर्थ है, तो उसे नजदीकी दत्तक ग्रहण संस्थान या पालना गृह में सुरक्षित रूप से सौंप सकता है।

नागौर पुलिस की बड़ी कामयाबी

ग्रामीणों ने किया एएसपी सहित पुलिस टीम का भव्य स्वागत

चमकता राजस्थान

मोहम्मद रफीक/नागौर। जिला पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में नागौर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए मेड़ता सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम डांगावास में हुई करीब 53 लाख रुपये की बड़ी चोरी का सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस टीम ने मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल दो अत्यधिक शातिर और चालाक प्रवृत्ति के अंतरराज्यीय चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पकड़े गए बदमाशों पर पुलिस द्वारा पूर्व में 5000-5000/- रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है।

● 1200 सीसीटीवी कैमरों और टॉवर डेटा से मिला सुराग

गत 27 मई 2026 को डांगावास निवासी प्रार्थी देवाराम जाट के सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने करीब 34-35 तोला सोने-चांदी के आभूषण तथा 2.50 लाख रुपये की नकदी पार कर दी थी। इस अंधी चोरी का खुलासा करने के लिए एएसपी आशा राम चौधरी के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने लगातार 12 से 13 दिनों तक कठिन परिश्रम करते हुए संदिग्ध रूटों पर लगे लगभग 1000 से 1200 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। साइबर सेल की मदद, फील्ड इंटेलिजेंस और मोबाइल टावर डेटा के गहन विश्लेषण (डंप डेटा) के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में कामयाब रही।

● ग्रामीणों ने किया एएसपी सहित पुलिस टीम का भव्य स्वागत

इतनी बड़ी और पेचीदा चोरी की वारदात का महज कुछ ही दिनों में सफल खुलासा होने पर डांगावास सहित आस-पास के ग्रामीणों में हर्ष की लहर दौड़ गई। पुलिस की इस त्वरित और निष्पक्ष कार्यप्रणाली से गदगद होकर ग्रामीणों व प्रबुद्ध नागरिकों ने पुलिस प्रशासन का आभार जताया। ग्रामीणों द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में श्री आशा राम चौधरी (अरढ नागौर), वृत्ताधिकारी श्री रामकरण सिंह मलिंडा, थानाधिकारी श्री रघुराज सिंह और जिला विशेष टीम (ऊरळ) का साफा व माला पहनाकर भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि पुलिस टीम ने दिन-रात एक करके इस बड़ी वारदात को खोलकर जनता में विश्वास बहाल किया है।

● ये शातिर चोर इस तरह देते थे वारदात को अंजाम

पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी हरदीप सिंह (31 वर्ष) पुत्र गुरजंट सिंह और सोनी माली (31 वर्ष) दोनों निवासी जिला हनुमानगढ़ के रहने वाले हैं। यह गैंग बेहद शातिर तरीके से चोरी की वारदातों को अंजाम देती थी। आरोपी मुख्य रूप से ट्रेनों के जरिए सफर कर विभिन्न जिलों के रेलवे स्टेशनों पर पहुंचते थे। स्टेशन के बाहर खड़ी मोटरसाइकिलों को मास्टर की (नकली चाबी) से चोरी करते थे और फिर उसी बाइक पर घूमकर बंद मकानों की रेकी करते थे। दिन के समय जिस मकान पर ताला मिलता, उसे तोड़कर जेवरात व नकदी साफ कर देते थे। अपनी पहचान छिपाने के लिए ये चेहरे पर मास्क, कैप या गमछा बांधकर ऊपर से चश्मा लगा लेते थे, ताकि सीसीटीवी में पहचान में न आ सकें।

डग में जनगणना 2027 के प्रथम चरण का फील्ड निरीक्षण शुरू

चमकता राजस्थान

28 ब्लॉकों में मकान सूचीकरण कार्य की गुणवत्ता जांची जा रही, त्रुटियों का मौके पर निस्तारण

डग-9 जून (कुन्दन व्यास) । भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण एवं आवासीय गणना' कार्य का फील्ड निरीक्षण नगर पालिका डग में 07 जून से 09 जून 2026 तक चल रहा है।यह निरीक्षण प्रमुख जनगणना अधिकारी झालावाड़ के निर्देशानुसार किया जा रहा है।चार्ज जनगणना अधिकारी श्रीमती कंचन बोहरा(विकास अधिकारी) ने बताया कि जनगणना का प्रथम चरण आधारभूत डाटा तैयार करने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी कारण नगर पालिका डग के 28 मकान सूचीकरण ब्लॉक-ों में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक मकान की गणना पूर्ण सटीकता,परिशुद्धता एवं गोपनीयता के साथ की जाए।निरीक्षण का उद्देश्य फील्ड स्तर पर प्रगणकों से हुई छोटी-बड़ी त्रुटियों को चिन्हित कर उनका तत्काल सुधार करना है,ताकि निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत डाटा पोर्टल पर अपलोड हो सके।उन्होंने कहा कि प्रथम चरण का डाटा ही द्वितीय चरण 'जनसंख्या गणना' की रीढ़ होगा।यदि मकान सूचीकरण त्रुटिरहित होगा तो प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का द्वितीय चरण का कार्य अत्यंत सरल,सुगम एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सकेगा।निरीक्षण दल द्वारा मोबाइल एप पर दर्ज डाटा का सैंपल चेकिंग,जियो-टैगिंग का मिलान एवं भौतिक सत्यापन किया जा रहा है।इस महत्वपूर्ण कार्य के निरीक्षण हेतु गठित दल में फील्ड ट्रेनर कुलदीपक मेवाड़ा,जनगणना प्रभारी देवमित्र कानूनगो,वरिष्ठ सहायक राजू जोगी,जनगणना चार्ज लिपिक आरिफ खान,तकनीकी सहायक शैलेंद्र कुमार,तथा नगर पालिका डग के पर्यवेक्षक मोहम्मद फुरकान,दीपक यादव,अब्दुल सलाम,दिनेश बोहरा एवं विक्रम सिंह सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।श्रीमती बोहरा ने आमजन से अपील की कि जनगणना कर्मियों को सही जानकारी देकर सहयोग करें।उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों द्वारा दी गई समस्त जानकारी पूर्णतःगोपनीय रखी जाएगी और इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु किया जाएगा।

कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने किया विकास कार्यों का सघन निरीक्षण

चमकता राजस्थान/मोहम्मद रफीक/नागौर। जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने मंगलवार को रियांबड़ी उपखंड क्षेत्र का सघन दौरा कर केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का औचक निरीक्षण किया। दौरे के दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

दौरे की शुरुआत ग्राम भंवाल से हुई, जहां कलेक्टर कुमार ने प्रधानमंत्री कुसुम योजना के कॉम्पोनेन्ट-सी के अंतर्गत स्थापित किए जा रहे सोलर प्लांट का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने किसानों को सौर ऊर्जा परियोजनाओं से मिलने वाले लाभों की जानकारी प्राप्त की और योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम में निर्मित फार्म पोंड (खेत तलाई) का निरीक्षण कर जल संरक्षण कार्यों की स्थिति जानी। कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं, दवाइयों की उपलब्धता एवं आमजन को मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद जिला कलेक्टर कुमार ग्राम पादुखुर्द पहुंचे, जहां उन्होंने नवनिर्मित पुस्तकालय का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अध्ययन के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। कुमार ने निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित एवं निर्माणाधीन आवासों की भौतिक प्रगति का जायजा लिया, साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के तहत निर्मित जल संग्रहण टांकों का निरीक्षण कर जल संरक्षण, पानी की आवक तथा संरचनाओं की उपयोगिता का मूल्यांकन भी किया ।

निराश्रित बालिका को मिला नया परिवार, दत्तक ग्रहण से बदली जिंदगी

चमकता राजस्थान

कयूम खान जालौर। बाल अधिकारिता विभाग के अंतर्गत संचालित राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण एजेंसी जालौर की ओर से एक सराहनीय पहल करते हुए निराश्रित बालिका को विधिक प्रक्रिया के तहत नया परिवार उपलब्ध कराया गया।

जिला मजिस्ट्रेट जालौर की उपस्थिति में भावी माता-पिता को बालिका का औपचारिक दत्तक ग्रहण करवाया गया। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक राजीव सुथार, एजेंसी की अधीक्षक मोहर कंवर, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश मीणा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। पारदर्शी और सुरक्षित प्रक्रिया अधिकारियों ने बताया कि दत्तक ग्रहण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन एवं विधिक प्रावधानों के अनुसार पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई, ताकि बच्चे को सुरक्षित और स्नेहपूर्ण पारिवारिक वातावरण मिल सके। भावुक पल का बना गवाह लंबे समय से संतान सुख की प्रतीक्षा कर रहे दंपति को बालिका सौंपे जाने के दौरान भावुक माहौल देखने को मिला। नए माता-पिता ने बालिका को बेहतर शिक्षा, परवरिश और सुरक्षित भविष्य देने का संकल्प लिया। विभाग की अपील बाल संरक्षण इकाई ने आमजन से अपील की है कि नवजात या बेसहारा बच्चों को असुरक्षित स्थानों पर न छोड़ें। यदि कोई व्यक्ति बच्चे का पालन-पोषण करने में असमर्थ है, तो उसे नजदीकी दत्तक ग्रहण संस्थान या पालना गृह में सुरक्षित रूप से सौंप सकता है।

कांग्रेस सत्ता में आने का सपना देखना बंद करेः हरितवाल

● कांग्रेस ने विपक्ष में रहकर ऐसा कौनसा काम किया है जिससे 150 सीटे मिलेगीं, कांग्रेस सत्ता में आने का सपना देखना बंद करे

चमकता राजस्थान/दौसा।(दीपक शर्मा बामनवास)। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रेम हरितवाल ने कांग्रेस पर पलट वॉर करते हुए कहा है कांग्रेस अभी मानेसर कांड एवं अंधुनी झगड़े में उलझी हुई है,पिछले ढाई साल में कांग्रेस ने विपक्ष में रहते हुए ऐसा कोन सा काम कर दिया जिससे आने वाले विधान सभा चुनाव में 150 सिट जीत कर आएगी।कांग्रेस राष्ट्र विरोधी एवं भ्रष्टाचारी पार्टी है,फिर से सत्ता में आने का सपना देखना बंद करे।

तिजारा में सड़क चौड़ीकरण पर बवाल: नियमों में हेरफेर का आरोप, बार एसोसिएशन अध्यक्ष और तिजारा के नागरिकों ने खोला मोर्चा

चमकता राजस्थान

पत्रकार कश्मीर सिंह/तिजारा (खैरथल-तिजारा)। तिजारा कस्बे में बिजलीघर तिराहे से लेक-र पुलिस थाना चौक तक चल रहे सड़क निर्माण और चौड़ीकरण के कार्य को लेकर विवाद गहरा गया है। स्थानीय नागरिकों और बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) और नगर परिषद पर मिलीभगत और नियमों में जानबूझकर हेरफेर करने का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में आज (9 जून 2026 को) उप खंड अधिकारी तिजारा को मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम एक सामूहिक ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की गई है।

» सैकड़ों दुकानें और मकान तोड़े, अब 'अपनों' को फायदा पहुँचाने का आरोप

सौंपे गए ज्ञापन में स्थानीय निवासियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि सार्वजनिक निर्माण विभाग व नगर परिषद द्वारा पहले तय किए गए 40-40 फुट के मापदंड के अनुसार ही सड़क का निर्माण शुरू किया गया था। इस तय मानक को पूरा करने के लिए प्रशासन ने पहले ही सड़क मार्ग पर आने वाले सैकड़ों गरीबों और व्यापारियों की दुकानों व मकानों को ध्वस्त कर दिया था।

ग्रामीणों का आरोप है कि अब कुछ रसूखदार लोगों और निजी हितों को फायदा पहुँचाने के लिए नियमों को ताक पर रख दिया गया है। जानबूझकर टेंडर के नियमों में ढील (शिथिलता) दी जा रही है और सड़क की चौड़ाई को 40 फुट से घटाकर 30 से 35 फुट किया जा रहा है, जो कि पूरी तरह से नियमों के विपरीत और भेदभावपूर्ण है।

» बार एसोसिएशन का मिला समर्थन, समानता की मांग

इस मामले में कस्बे के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ-साथ कानूनी वर्ग का भी बड़ा समर्थन मिला है। बार एसोसिएशन तिजारा के अध्यक्ष आशीष यादव और एडवोकेट प्रेमप्रकाश सैनी सहित दर्जनों वकीलों व प्रार्थीगणों ने इस पर हस्ताक्षर कर विरोध दर्ज कर

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929